धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
अच	१	गत्याक्षेपे (अथवा) गतिनिन्दारभनेषु	अंचनेमृगः	इ–इ
अच	१	पूजने	अञ्चति (वा) अचते	ञ–इ
अच	१	गतिपूजनयोः	अचतिकृष्णम्	उ इ
अञ्च	१०	व्यक्तायां वाचि	अञ्चयति	क
अच	१	म्लेच्छीकौ	अचति	उ
अच	१	गतिपूजनयो.	अचति (वा) अचते	ञ उ
अच	१०	विशेषणे	अचयति	उ क
अछ	१	आयामे	अच्छति	इ
अज	१	गतौ (न) क्षेपे	अजति अजः	
अज	१०	भामि	अञ्जयति	क इ
अज	७	म्रक्षणकान्तिगतिषु	व्यनक्तिविद्यांसाधु–अभ्यनक्तिलेखनागं.	घ उ नि
अट	१	गतौ	अटति पर्यटनं	-
अट्ट	१	अतिक्रमे	अट्टते चित्रं यवनः	ङ
अट्ट	१०	अनादरे	अट्टयति अट्टः	क
अठ	१	गतौ	अठति	
अठ	१	गतौ	अण्ठते	इ ङ
अड	५	व्यापने	अड्नोति	न र
अड	१	उद्यमे	अडति धनाय	
अड्ड	१	अभियोगे	अड्डति ज्ञानं मुनिः	

धातु	गण	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
अण	१	शब्दे	अणति	
अण	४	प्राणने	अण्यते	य इ
अत	१	सातत्यगमने	अतति लोकं हरि आत्मन् आत्मा	
अन्त	१	बन्धने	अन्तति दुष्टं रामा	इ
अद	२	भक्षणे	अत्ति (वाअदति १) मोदक कृष्णः	ल ओ
अद	१	बन्धने	अन्दति दुष्टं रामा	इ
अन	४	प्राणने	अन्यते क्लेशेन भिक्षुः	य इ
अन	२	प्राणने	अनिति प्राण	ल घ
अन्ध	१०	दृष्ट्युपघाते	अन्धयति अन्ध धा-ध.	क त
अब	१	शब्दे	अंबते शिशु	ङ इ
अम्बर	११	संभरणे	अंबर्यतियोपितंप्रिय.	ट
अभ	१	शब्दे	अम्भते अम्भ	ङ इ
अभ्र	१	गतौ	अभ्रति अभ्रं	
अम	१	गतिभजनशब्देषु.	अमति	
अम	१०	रोगे	अमयति	
अम्ब	१	गतौ	अम्बति	
अय	१	गतौ	अयते—अयनम्	ङ
अरर	११	आराकर्मणि	अररयति रथकारो रथाय	ट
अर्क	१०	स्तवने	अर्कयति अर्क	ण

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
अर्घ	१	हिंसायां (अथवा) मूल्ये	अर्घति अर्घः	
अर्च	१०	पूजायां	अर्चयते (तथा) अर्चयति	क इ
अर्च	१	पूजायां	अर्चते (तथा) अर्चति	इ
अर्ज	१०	प्रयत्ने (त) संस्कारे	अर्जयति धनं उपार्जनं	क
अर्ज	१	अर्जने	अर्जति धनं उपार्जनं	
अर्थ	१०	याचने	अर्थयते याचकोऽर्थ अर्थना अर्थः	क त इ
अर्द	१	हिंसायां	अर्दति (वा) अर्दते अर्दयति अर्दते	न
अर्द	१	पीडागतियाचनेषु	रक्षःसहस्राणि चतुर्दशार्दीत् अर्दति तीर्थयतिःशरद्घनं नार्दति चातकोपि	
अर्द	१०	हिंसायां	अर्दयति (वा) अर्दयते	क न
अर्ब	१	हिंसायां गतौ च	अर्बति	
अर्व	१	हिंसायां	अर्वति	
अर्ह	१	योग्यत्वपूजनयोः	अर्हति	
अर्ह	१०	पूजायां	अर्हयति—अर्हणा	क

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
अल	१	भूषणपर्याप्तिवारणेषु	अलति (वा, अलते) केदारं माल्येन अलति कंसाय कृष्ण अलतिचोरं राजा	ञ
अव	१	पालने (त) प्रीणने	अवति	
अवधीर	१०	अवज्ञायां	अवधीरयति	क स
अश	५	व्याप्तौ (त) संहतौ	अश्नुते विश्वं हरिः	न ह ऊ
अश	९	भोजने	अश्नाति	ग
अंश	१०	समाघाते	अंशयति द्रव्यं भ्रातृवर्गः अंश	क त
अप	१	दीप्तिगतिस्नेहेषु	अपति	
अस	१	दीप्त्यादानयो	वासुदेवं परित्यज्य योऽन्यदेवमुपासति (वा) उपासते	ञ
असु	११	उपतापे	असूयति	ट
असू	११	उपतापे	अस्यति	ट
असू	११	उपतापे	असूयति (वा) असूयते	ञ ट
अस	२	भुवि	अस्ति हरिः	ल
अस	४	क्षेपणे	अस्यति शरं शूरः अस्तं न्यासः	ग ऊ इ र

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
अंस	१०	समाघाते	(यथांशः प्रथमागतः)	क त
अंह	१०	भासे	अंहयति	क इ
अंह	१	गतौ	अंहते	ड इ
आछ	१	आयामे	आछति चरणं वामनः	इ
आंदोल	१०	आंदोलने	आंदोलयति	क त
आप	१	लंभने	आपति	ऌ
आप	१०	लंभने	आपयति धनं जनः	क ऌ
आप	५	व्याप्तौ	आप्नोति भुवनं विष्णुः	न ऌ
आम	१०	रोगे	आमयति	क
आशास	२	इच्छायां	मोक्षमाशास्ते मुनिः	उ
आस	२	उपवेशने	आस्तेगृहे	ल ड नि
इ	२	गतौ	एति पथिकः आय	ल
इ	२	अध्ययने	वेदमधीते शिशुः	ल ड
इ	२	अधिउपसर्गे स्मरणे	अध्येति गोकुलं कृष्णः	ल
इ	१०	अधिउपसर्गेस्मृत्या	अध्यापयति	क
इख	१	गतौ	एखति	
इंख	१	गतौ	इंखति	इ
इग	१	गतौ	एगति	
इंग	१	गतौ	इंगति	इ
इट	१	गतौ	एटति	
इंद	१	परमैश्वर्ये	इन्दति इन्द्रः इन्दुः	इ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
इध	७	दीप्तौ	इधे वह्निरिंधनेन	प ट ई मि
इभ	१	भयाति	इभयते	क ट इ
इर	११	ईर्ष्यायां	ईर्यति (वा) ईर्यते	अ ट इ
इरज	११	ईर्ष्यायां	इरज्यति	ट
इरस्	११	ईर्ष्यायां	इरस्यति	ट
इल	१०	प्रेरणे	प्रेलयति इला	क
इल	६	गतौ (त) स्वप्ने क्षेपे	इलति पापं एलिष्यति इला एला	श
इला	११	विलासे	इलायति	ट
इव	१	व्याप्तौ	इन्वति विधं विष्णु	इ
इष	४	गतौ	इष्यति	
इष	६	वाञ्छायां	हरिभक्तिमिच्छतिविप्र इच्छा	श
इष	९	आभीक्ष्ण्ये	इष्णाति वत्सं शिशु अतो गतौ	ग
ई	४	गतौ	ईयते	ङ
ई	२	कान्ति गति व्याप्ति प्रजनकान्त्यसनखादनेषु	एति (इत्यादि)	ख
ईक्ष	१	दर्शने	न चक्षुरिन्द्रियं न भवति निरीक्षणं निरीक्षितं इत्यादि	ङ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
ईक्ष्य	१	ईर्ष्यायां	ईक्ष्यति	
ईख	१	गतौ	ईखति	इ
ईज	१	गतौ	ईजते ईजांचक्रे	इ
ईज	१	गतौ (तथा) कुत्सायां	ईजति (वा) ईजते	ई अ
ईड	१०	स्तवने	ईडयति	क
ईड	२	स्तुतौ	ईट्टेहरिंविप्रः	ल
ईत	१	बन्धने	इन्तति	इ
ईर	२	गतौ कंपनेच	ईर्त्ते समीरः	ल
ईर	१०	प्रेरणे क्षेपेच	ईरयति गजं यन्ता	क
ईर	१	प्रेरणे	ईरति	
ईर्ष्य	१	ईर्ष्यार्थे	ईर्ष्यति साधुं पापी ईर्षा	
ईश	२	ऐश्वर्य्ये	ईष्टेराजा ईशः ईश्वरः ऐश्वर्य्यं	ल इ
ईष	१	उञ्छे	ईषति	उ
ईष	१	गतिदर्शनहिंसादानेषु	ईषते पांथः	
ईह	१	चेष्टायां	समीहते धर्माय साधुः	इ
उ	१	शब्दे	अवते अवि	इ
उक्ष	१	सेचने	उक्षति उक्षा (उक्षन्)	
उख	१	शोषणालमर्थयोः	ओखति हिमेन वृक्षः	अ

धातु.	गण.	अर्थ	उदाहरण.	अनुबन्ध.
उख	१	गतौ	ओखति उखा	
उंख	१	गतौ	उंखति	इ
उच	४	समवाये	उच्यति बंधुना बधु ओक	य
उछ	६	उंछे	उंछति धान्य	श इ
उछ	६	निवासे (अथवा) वर्जने बन्धने समाप्तौ अतिक्रमे	उछति	श ई
उज्झ	६	त्यागे	उज्झति त्वचं सर्पः	श
उठ	१	उपघाते	ओठति	
उन्द्	७	क्लेदने	उनत्ति गंगाजलेन गात्रं यति उदक	ध ई
उड्ग	६	उत्सर्गे	उड्गति त्वचसर्पः उड्गाचार उड्ग	
उधम्	१०	उञ्छे	उधामयति कणान्भिक्षु	ब:
उब्ज	६	आर्जवे	उब्जति कुब्जां कृष्ण	श
उभ	६	पूरणे	उभति धनेनार्थिनं वर्णी उभयं	श
उंभ	६	पूरणे	उंभति	श प
उरी	६	उद्यमने	उरते	ह ई श
उरस्	११	बलार्थे	उरस्यति	ट

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
कड	१	मदे	कडति घनेन	
कड	१०	भेदे (तथा) रक्षणे	कण्डयति	क इ
कड	६	मदे (तथा) अदने	कडति घनेन मूर्खः	श
कड	१	मदे	कण्डते धनेन मूर्खः	ङ इ
कड	१	तुषापकरणे	कण्डते तंदुलं स्त्री	ङ इ
कड्ड	१	कार्कश्ये	कड्डतिकृपणा	
कण्डू	११	गात्रविघर्षणे	कण्डूयति (वा) कण्डूयते गात्रं	य ट
कण	१	गतौ	कणति काण कण	म
कण	१	शब्दे	कणति	ऋ
कण	१०	निमीलने	कणयति नेत्रं	क
कत्थ	१	श्लाघाया	कत्थते हरिकथां कवि	ङ
कत्र	१०	शैथिल्ये	कत्रयति	क न
कथ	१	श्लाघायां	कथते हरिकथां कविः	ङ
कथ	१०	वाक्यप्रबन्धे	कथयति काव्यं कथकः कथा	क त
कद	१	वैक्लव्ये	कदते	ङ
कद	१	वैक्लव्ये	कन्दते	ङ इ
कद	१	आह्वानरोदनयो.	कन्दति	इ
कन	१	दीप्ती (म०) प्रीतिगत्यो.	कनति दीपः	इ मि

धातु	गण	अर्थ	उदाहरण.	अनुबंध
कप	१	चलने	कपते	इ द
कब		वर्णे	(इनिवत्	
कम	१	कान्तौ	कमते काम	उ द
कम	१–१०	कान्तौ	कामयते	उ द
कम्ब	१	गतौ	कम्बति	
कर्ब	१	गत्यां	कर्बति	
कर्ज	१	व्यथने	कर्जति कोशिनं कृष्ण	
कर्ण	१०	भेदे	कर्णयति कर्ण	क न
(आङुप-सर्गे)		श्रवणे	आकर्णयति	
कर्त	१०	शैथिल्ये	कर्तयति	क न
कर्त्र	१०	शैथिल्ये	कर्त्रयति हृदयग्रन्थि ज्ञानी	क न
कर्द		कुत्सिते शब्दे	कर्दति श्वान	
कर्ब	१		इनिवत्	
कर्व	१	दर्प-गर्वे	कर्वति मूर्ख	
कल	१०	संख्याने (न०) कर्मे	कलते धन धर्मा काल	द
कल	१०	संख्याने-गतौ	कलयति	क न
कल्ल	१	शब्दे	कल्लयति	क
कस	१	अव्यक्तेशब्दे	कहलेनर;	द

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
कव	१	वर्णे	कवतेकविःकाव्येन हरिं कवतेचित्रकारः	ऋ ङ
कश	१	हिंसायां	कशति (वा) कशते काशः कशा	ञ
कष	१	हिंसायां	कषति समूलकाषं कष्टः टा टं	
कष	१०	हिंसायां	कषयति कष्टः टा टं	क
कस	१	गतौ	कसति विकस्वरः	ज
कस	२	गतिशासनयोः	कंस्ते कंसं हरिः	ल ई ङ
कांक्ष	१	कांक्षायां	कांक्षति कांक्षा	इ
काच	१	दीप्तिबन्धनयोः	काञ्चते विभावसुः	इ ङ
काल	१०	कालोपदेशे	कालयति	क त
काश	१	दीप्तौ	काशते	ऋ ङ
काश	४	दीप्तौ	काश्यते	य उ ऋ ङ
कास	१	दीप्तौ	प्रकासते	ऋ ङ
कास	१	शब्दकुत्सायां	कासतेरोगी कासः (वा) काशः	ऋ ङ
कि	३	ज्ञाने	चिकेति	लि र
किट	१	गतौ (त०) भयभीपयोः	किटति किटं	लि र

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
कित	१	रोगापनयने	चिकित्सति रोगिणं वैद्य चिकित्सा	
कित	३	ज्ञाने-निवासे च	चिकेति	
किल	६	श्वैत्यक्रीडनयो.	किलति देह चन्देनेन-किलन केलि	लि र श
किल	१०	क्षेपे	केलयति	
कीट	१०	बन्धने (त) वर्णे	कीटयति	क
कील	१	बन्धे	कीलति कृष्ण माता कील -कीला	क
कु	१	शब्दे	कवते	ङ
कु	२	शब्दे	कौति	ल ङु
कु	६	आर्तस्वरे	कुवते	
कू	९	शब्दे	कूनाति	श ह शि
कुक	१	आदाने	कोकते	ग
कुच	१	रोधसम्पर्ककौटिल्यविलेखनेषु	कोचति	ए ह
कुच	१	तारशब्दे		
कुच	१	संकोचे	कोचति काञ्ची	भ
कुच	६	संकोचे	संकोचाति चन्द्रात्पद्मं-संकोच सकुचति धनी रामभयात्	श शि

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
कुञ्च	१	कौटिल्याल्पीभावयोः	कुञ्चति खलः–कुञ्चति मनो योगी	उ
कुन	१	स्नियकरणे	कोनति नवनीतं कृष्णः–	उ
कुज	१	अव्यक्तेशब्दे	कूजति कुञ्ज (वा) निकुञ्ज	इ
कुट	१	वैकल्ये	कुण्टति	इ
कुट	६	कौटिल्ये	कुटति खलः कोट.	श ङि
कुट	१०	प्रतापने छेदनेच	कोटयते	क इ
कुट्ट	१	प्रतापने	कुट्टति कुट्टयति	
कुट्ट	१०	छेदने (त०) कुत्साया	कुट्टयति कुट्टनी	क
कुटुम्ब	१०	धृत्या पूरणे	कुटुम्बयते	क ङ
कुठ	१	आलस्य प्रतिघातेच	कुण्ठति कुण्ठ कुण्ठा ठं	इ
कुड	६	बाल्य (त०) अदने	कुडति ज्ञानी	श ङि
कुड	१०	रक्षणे अनृतपरिभाषणेवेष्टनेच.	कुण्डयति	क इ
कुड	१	वैकल्ये	कुण्डति कुण्डं कुण्डी कुण्डी	इ
कुड	१	दाहे	कुडते कुंडं कुंभकारः कुंण्डं	इ ङ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
कुण	१०	आमन्त्रणे	कुणयति	क त
कुण	६	शब्दोपकरणयोः	कुणति काकः	श
कुत्स	१०	अवक्षेपणे	कुत्सयते कुत्स्यं साधु	क ङ
कुथ	४	पूतीभावे	कुथ्यति मृतकः	य
कुथ	१	हिंसासंक्लेशयोः	कुन्थति रावणं रामः रावणशरेण रामो न कुन्थति	इ
कुद्र	१०	अनृतभाषणे	कुन्द्रयति	क इ
कुन्थ	९	संक्लेशने (न)	कुथ्नाति रोगी	ग
कुथ		क्लिशि		
कुप	१-१०	स्तुतौ (अथवा) स्मृतौ	कुंपति (वा) कुंपयति	कि
कुप	४	रोषे	कुप्यति (अथवा) कुप्यते कोपः	य इ र
कुप	१०	भाषार्थे स्तुतौ	कोपयति	क
कुब	१	छादने	कुम्बति तृणेन गृहं कुंबा	इ
कुब	१०	छादने	कुंबयति	क इ
कुंभ	१०	छादने	कुंभयति	इ क
कुमार	१०	क्रीडायां	कुमारयति गोकुले कृष्णः, कुमारः	क त

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
कुमाल	१०	कलौ	कुमालयति	क त
कुर्	६	शब्दे	कुरति चुकोर	श
कुर्द	१	क्रीडायां	कूर्दते	ङ
कुल	१	बन्धुसंहतौ	कोलति कुलं	
कुश	४	श्लेषे	कुश्यति	य इ र
कुश	१–१०	द्युतौ	कुंशति (वा) कुंशयति	क कि इ
कुष	९	निष्कर्षे	कुष्णाति स्वर्णं स्वर्णकारः कोपः	ग
कुसुभ	११	क्षेपे	कुसुम्यति कन्दुकं विलासी	ट
कुस	४	श्लेषणे	कुस्यति कामिनीं कान्तः	य इ र
कुस	१०	भाषार्थे (अथवा) भासने	कुंसयति क इ	इ कि
कुह	१०	विस्मारणे विस्मापने	कुहयते कुहको मायया विश्वं	क त ङ
कू	६	शब्दे (तथा) आर्तस्वरे	कुवते काकः	श शि ङ
कूज	१	अव्यक्तेशब्दे(त०) हिक्के	कूजति पक्षी	
कूट	१०	अप्रमादे परितापेच	कूटयते खलः	क ङ
कूट	१०	दाहे	कूटयति	क त
कूट	१०	दाहमात्रे	कूटयति	क त

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
कुड	६	वसने	कुडति घासं नृप: कूड	श शि
कूण	१०	सकोचे	कूणयते नेत्र रोगी कूण.	क त ङ
कून	१०	सकोचे	कूनयते नेत्रं रोगी कूर्नी	क त ङ
कूण				
कृप	१०	दौर्बल्ये	कृपयति	फ त
कूर्द	१	क्रीडायां	कूर्दते	ङ
कूल	१	आवरणे	कूलति धर्मं साधु कूलं	
कृ	५	हिंसायां	कृणोति (वा) कृणुते कृत युगं	न ञ
कृ	८	करणे	करोति (वा) कुरुते कटक कारकः	द ञ डु
कृञ्ज	१	भर्जने	कृञ्जयते धान्यं	इ ङ
कृड	६	घनत्वे	कृडति	श
कृत	६	छेदने	कृन्तति वृक्षं	श प ई
कृत	७	वेष्टने	कृणत्ति तरुं कंटकेन माकार: कृत्ति.	ध ई
कृप	१	दयायां	कृपते हरिभक्तं	प म ङ
कृप	१०	दौर्बल्ये	कृपयति	फ त
कृप क्ृप	१	अवकल्कने	कल्पति	

धातु	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
कृप-कॢप	१	सामर्थ्ये	कल्पते मोक्षाय	इ ऊ व ल
कृप-कॢप	१०	अवकल्कने	कल्पयति कल्पना	क
कृव	९	कृतिहिंसयो	कृणोति	
कृवि	९	जिघांसायां	कृविणोति	न
कृश	४	तनूकरणे	कृशयति देहं रोगः कृश शा–शं	या इ र
कृष	१	आकर्षणे	कृषति	औ
कृष	६	विलेखने	कृषति (वा) कृषते क्षेत्रं कृषकः	श ञ औ
कॄ	६	विक्षेपे	किरति कुसुमं वायुः संकीर्णः णा–णं	श
कॄ	९	हिंसायां	कृणाति कीर्ण. णा णं	ग ञ गि
कृत	१०	संशब्दने	कीर्त्तयति परगुणं साधुः कीर्त्तिः	क
केत	१०	आमन्त्रणे श्रावणचे	केतयति श्राद्धाय मुनिं गृही–केतनं	क त
केप	१	गत्यां कंपनेच	केपते	ऋ ङ
केल	१	गतौ	केलति केलि.	ऊ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
केला	११	विलासे	केलायति विलासी कामात	ट
क्लेव	१	सेवने	क्लेवते	ऋ ङ
कै	१	शब्दे	कायति	
क्नथ	१	हिंसायां	क्नथति	
क्नप	१०	प्रतिहर्षे	क्नपयति	क म
क्रथ	१०	हिंसायां	क्राथयति	क म
क्रद	१	वैक्लव्ये	क्रन्दते	ङ इ
क्रद	१	आह्वानरोदनयो	क्रन्दति आक्रन्दीदृश ग्रीव	इ
क्रन्द	१०	आप्रत्यये आक्रं-दसातत्यरोदने	आक्रन्दयति शोकसं.	क
क्रम	१	पादविक्षेपे	क्रमति	उ
क्रम	४	पादविक्षेपे	क्राम्यति (वा) क्राम्यते वामनोमहीं	य उ
क्रस	१	शब्दे	क्रसति	
क्री	९	द्रव्यविनिमये	क्रीणाति (वा) क्रीणीते तिलं यवैर्नरः क्रीतः ता-तं-क्रयः–क्रयविक्रयो	ग ञ डु
क्रीड	१	विहारे	क्रीडति	ऋ
क्नूय	१	शब्दे उन्दे च	क्नूयते नरः	ङ इ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
खर्ज	१	मार्जने (त०) व्यथायां	खर्जति गात्रं खर्जूरः	
खर्द	१	दशने	खर्दति मूलकं बालः	
खर्ब	१	गतौ	खर्बति खर्बं वा-र्बं	
खर्व	१	दर्पे	खर्वति मूर्खः खर्वः वा-र्वं	
खल	१	चलने संचयेन	खलति खलः	
खव	९	भूतप्रादुर्भावे	खौनाति मनः	ग
खष	१	वधे	खषति	
खाद	१	भक्षणे	खादति	ऋ
खिद	४	दैन्ये	खिद्यते खेदः	य ङ
खिद	६	परिघाते	खिदति साधुं दमी खेदः	श ष औ
खिद	७	दैन्ये	खिन्ते भिक्षुः	ध ङ औ
खु	१	शब्दे	खवते	ङ
खुज	१	स्तेयकरणे	खोजति नवनीतं कृष्णः	उ
खुड	१	भेदे	खोडति	
खुड	१	भेदे	खुण्डति	इ
खुड	६	संवरणे	खुडति धनं धनिकः	श
खुड	१	खञ्जे	खुण्डते	इ ङ
खुड	१०	खण्डने	खुण्डति (वा) खुण्डयति	कि इ
खुर-क्षुर	६	छेदने	खुरति धान्यं कृषकः खुरः क्षुरः	श

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
खुर्द,गुर्द	१	क्रीडायां	गूर्दते	ङ
खेट	१०	भक्षणे	खेटयति माम आखेट खेट टा टं.	क त
खेट-खिट	१	उन्नामने	खेटति कोणी गोष्ट आखेटक खेट	
खेड	१०	भक्षणे	खेडयति	क
खेल	१	गतौ	खेलति खेला	उ
खेव	१	सेवने	खेवते	ऋ ङ
खै	१	खेदने	खायति धननाशेन लोक	
खै	१	स्थैर्ये खननहिं-सयो	खायति	
खोट	१	गत्याघाते	खोटति	ऋ
खोट	१०	क्षेपे भक्षणेच	खोटयति शर नृप	क त
खोड	१	गति प्रतिघाते	खोडति खोड.–डा ड	ऋ
खोड	१०	क्षेपे	खोडयति	क त
खोर	१	गतिप्रतिघाते	खोरति	ऋ
खोल	१	गतिप्रतिघाते	खोलति	ऋ
ख्या	२	प्रकथने	ख्याति गुणेन लोक ख्याति.	ख
गग्ध	१	हसने	गग्धति	
गज	१	शब्दे-मदेच	गजति गज.	इ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
गज	१	स्वने	गजति	इ
गड	१	सेचने	(डलयोरैक्यात्) गलति जलं गाडः गाढः गडक	म
गड	१	वदनैकदेशे	गण्डति गण्डः	इ
गण	१०	संख्याने	गणयति गणको ग्रहणम्	क त
गद	१	व्यक्तायां वाचि	गदति	
गद	१०	मेघशब्दे	गदयति घनः	क त
गद्गद	११	वाक्स्खलने	गद्गदति	इ
गन्ध	१०	अर्दने	गन्धयते लुब्धो परान्यं	क ङ
गम्ब	१	गतौ	गम्बति	
गम	१	गतौ	गच्छति	ऌ औ
गर्ध	१	गत्या	गर्धति गर्ध	
गर्ज	१	शब्दे	गर्जति	
गर्ज	१०	शब्दे अभिकाङ्क्षायाम्	गर्जयति	क
गर्द	१	शब्दे	गर्दति सिंहः	
गर्द	१०	शब्दे अभिकाङ्क्षायां	गर्दयति सिंहः	क
गर्ध	१०	अभिकाङ्क्षायां	गर्धयति मद्यं मधुः	क
गर्व	१	गतौ	गर्वति	
गर्व	१	दर्पे	गर्वति मूर्खः गर्व	

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण	अनुबन्ध.
गर्व	१०	माने	गर्वयते मूर्ख गर्व	क त ङ
गर्ह	१०	विनिन्दने	गर्हयति	क
गर्ह	१	विनिन्दने	गर्हति	
गर्ह	१	कुत्सने	गर्हते पाप गर्हा	ङ
गल	१०	स्रावे	गलयते	क ङ
गल	१	अदने (स्रवे)	गलति मूलकं गलति जल	
ग्राम	१०	आमन्त्रणे	ग्रामयति	
गल्ह	१	कुत्सने	गल्हते गल्ह	क
गवेष	१०	अन्वेषणे	गवेषयति हरिणं नर ग-वेषणा	ङ क त
गह	१०	गहने	गहयति गहन ना-नं-ग-हन	
गा	३	स्तुतौ जन्मनि	जिगाति देवान् जिगाति गुम्रयु	छि र
गा	१	गतौ	गाते	ङ
गाध	१	प्रतिष्ठालिप्सयो ग्रन्थे	गाधते धनं गाधिः गाध	ऋ ङ
गाह	१	विलोडने	गाहते जलं वराहः	ङ उ
गु	१	शब्दे	गवते	ङ
गु	६	विष्टोत्सर्गे	गुवति	श डि ओ
गुज	१	कूजने	गोजति	

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
गुज	६	शब्दे	गुजति	श शी
गुज	१	अव्यक्ते शब्दे	गुञ्जति पक्षी गुञ्जा	इ
गुठ	१०	वेष्टे	गुण्ठयते	क इ
गुड	६	रक्षायां	गुडति गुडः	
गुड	१०	वेष्टने (त०) रक्षणेचूर्णीकरणेच	गुण्डयति	क इ
गुण	१०	आमन्त्रणे	गुणयति गुणः	क त
गुद	१	क्रीडायां	गोदते शिशुः	ङ
गुध	१	क्रीडे	गोधते	ङ
गुध	४	परिवेष्टने	गुध्यति	य
गुध	९	रोषे	गुध्नाति	ग
गुप	१	गोपने	गोपते पापं जुगुप्सा	ङ
गुप	४	व्याकुलत्वे	गुप्यति लोकं कोपः	य इ ऱ्
गुप	१	रक्षणे	गोपायति भुवं राजा	ऊ
गुप	१०	भाषार्थे (अथवा) भासि	गोपयति	क
गुफ	६	ग्रन्थे	गुफति माल्यं मालाकारः	श
गुंफ	६	ग्रथे	गुंफति माल्यं मालाकारः	श
गुर	१	उद्यमे	गोरति माता बद्धुं हरिं	
गुर्	६	उद्यमे	गुरते धनाय वैश्यः	श शि ङ ई
गुर्द	१	निकेतने-क्रीडायां	गुर्दते	ङ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
गुर्द	१०	निकेतने क्रीडायां	गुर्दयति	क
गुल्भ	१	धार्ष्ट्ये	गल्भते धृष्टः	ट
गुह	१	संवरणे	गूहति (वा) गूहते	ऊ ञ
गू	६	पुरीषोत्सर्गे	गुवति रोगी गूह	श शि औ
गूर	४	हिमायां-गतौ च	गूर्यते रिपुं वशी	य ङ ई
गूर	१०	भक्षणे उद्यमे	गूरयते मूलकं पान्थ.	क ङ
गूर्द	१–१०	निकेतने क्रीडायां	गूर्दते (ङ) गूर्दयति	क
गृ	१	सेचने	गरति मेघो भूमि आ-गार	
गृज	१	ध्वनौ	गर्जति	
गृञ्ज	१	शब्दे	गृंजति गृजन· गृं-जनं	इ
गृध	४	अभिकांक्षायां	गृध्यति गार्धिप्यति गृध्न गृध्नु·	उ
गृह	१०	ग्रहणे	गृहयते गृहयालु	क त ङ
गॄ	६	निगरणे	गिरति मूलकं पथिक गीर्ण·, र्णा, र्णं	श
गॄ	९	शब्दे	गृणाति गुणसाधुः	ग गि
गॄ	१०	विज्ञापे विज्ञाने	गारयते	क ङ
गेप	१	गतिचालयोः	गेपते	ऋ ङ
गेव	१	सेवने	गेवते	ङ अ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
गेप	१	अन्वेछायां	गेपते मुक्तिं मुनिः	ऋ ङ
गै	१	शब्दे	गायति	
गोष्ट	१	संघाते	गोष्टते धान्यं	ङ
गोम	१०	उपलेपने	गोमयति गोमयेन भूमिं यज्वा	क त
ग्रथ	१	कौटिल्ये-संदर्भे	ग्रथते	ङ
ग्रथ	१	कौटिल्ये	ग्रंथते चित्तं खलः	इ ङ
ग्रन्थ	९	संदर्भे	ग्रथ्नाति ग्रन्थं कविः	ग
ग्रन्थ	१	संदर्भे	ग्रंथति	
ग्रन्थ	१०	संदर्भे-बन्धनेच	ग्रंथयति	क
ग्रस	१	ग्रहणग्रासयोः	ग्रसति	
ग्रस	१	अदने	ग्रसते ग्रासं भिक्षुः	ङ उ
ग्रस	१०	अदने-ग्रासे	ग्रासयतिचन्द्रं राहुः	क
ग्रह	१-१०	आदाने	ग्रहति (वा) ग्राहयति	कि उ
ग्रह	९	उपादाने	गृह्णाति (वा) गृह्णीते धर्मं धार्मिकः गृहीत ना ता तं.	ग उ
गुर्व	१	उद्यमने	गूर्वति फलार्थी फलाय	ई
ग्रुच	१	चौर्ये	ग्रोचति नवनीतं कृष्णः	उ इर्
ग्लस	१	अदने	ग्लसते	ङ उ
ग्लह	१-१०	आदाने	ग्लहति (वा) ग्लहयति	कि उ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
ग्लुच	१	चौर्ये	ग्लोचति नवनीतं कृष्णः	उ इर्
ग्लुच	१	गतौ	ग्लोचति	उ इर्
ग्लुञ्च	१	गतौ	ग्लुञ्चति	उ इर्
ग्लेष	१	दैन्ये-गतौ-चाले	ग्लेषते भिक्षुः	ऋ ङ
ग्लेव	१	सेवने कंपनेच	ग्लेवते	ऋ ङ
ग्लेप	१	अन्विच्छायां	ग्लेपते मुक्तिं मुनिः	ऋ ङ
ग्लै	१	हर्षक्षये	ग्लायति ग्लानिः	
ग्लै	१	हर्षक्षये	ग्लपयति	
घग्घ	१	हसने	घग्घति	
घट	१	चेष्टायां	घटते घटक घटः	प म ङ
घट	१०	संघातेहिंसायांद्युतौ	घटयति कुपितजनं साधु	क
घट	१०	भाषार्थे-द्युतौ	घण्टयति	क इ
घट्टः	१	चलने	घट्टते घनः घट्टः	
घट्ट	१०	चलने	घट्टयति तरुं पक्षी	क
घण	८	दीप्तौ	घणोति (वा) घणुते	द उ ञ
घम्ब	१	गतौ	घम्बति	
घर्व	१	गतौ	घर्वति	
घप	१	क्षरे	घपते	इ ङ
घस	१	भसे	घसति	ऌ ओँ
घस	१	क्षरणे	घसते	इ ङ
घिण	१	ग्रहणे	घिण्णते	ङ इ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
घु	१	शब्दे	घवते	ङ
घुट	१	परिवर्त्तने	घोटते प्रवासी	ङ
घुट	६	प्रतिघाते	घुटति गजं घोटकः	श ङि
घुट	६	व्याघाते-रक्षे	घुटति	श ङि
घुण	१	भ्रमणे	घोणते तीर्थं मुनिः	ङ
घुण	६	भ्रमणे	घुणति भिक्षायै भिक्षुः घुणः	श
घुण	१	ग्रहणे	घुण्णते	ङ इ
घुर	६	भीमार्त्तिशब्दे	घुरति भयेन शिशुः घोरः रा—रं—घौरं	श
घुर-घूर	४	हिंसावयोहान्योः	घूर्यते	य ङ इ
घुष	१	वधे	घोषति	इ र्
घुष	१०	वधे	घोषयति	क इ र्
घुष	१	शब्दे	माघुर्घोषति गोविंदं घोषः	इ र्
घुष	१०	शब्दे	घोषयति नीतिं जनेषु राजा घोषणा	क इ र्
घुष	१	घूरो-कान्तिकरणेच	घुंषते	इ ङ
घूर्ण	१	भ्रमणे	निद्रया घूर्णति क्षीवः	
घूर्ण	६	भ्रमणे	घूर्णति भिक्षायै भिक्षुः	श

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
घृ	१	क्षरणदीप्त्योः	निघर्ति जलं निघर्ति घृतं घरति	ल इ र्
घृ	१०	क्षरणदीप्त्योः प्रस्रवकरणेच	घारयति	क.
घृ	१	सेचने	घरति दग्धं पयसा	
घृण	१	ग्रहणे	घृण्णते	इ ह
घृण	८	दीप्तौ	घृणोति (वा) घृणुते	द म उ
घृष	१	संघर्षे	घर्षति काष्ठं मूर्ख.	उ
घोर	१	गतिचातुर्य्ये	घोरत्यश्वः	
घ्रा	१	गन्धोपादाने	जिघ्रति पुष्पं भ्रमर.	
ङु	१	ध्वनौ	ङवते	ङ
चक	१	दीप्तौ प्रतिघात-तृप्त्योः	चकति (वा) चकते	अ म
चक	१	दीप्तौ	चकते विद्यया विप्र.श्चाक	ङ
चक्क	१०	व्यसने	चक्कयति	क.
चकास	२	दीप्तौ	चकास्ति.	ल ऋ लु
चक्ष	२	व्यक्तायांवाचि	आचष्टे धर्मगुरुः	ङ इ
चघ	५	घातने	चघ्नोति	म
चञ्च	१	गत्यां	चञ्चति	उ
चट	१०	भिदे (त०) वधे	चाटयति	क.
चट	१	भिदे	चटति	

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
चड	१	कोपे	चण्डते चण्डे चण्डी	ङ ई
चड	१०	कोपे	चण्डयते	क इ ङ
चण	१	शब्दे	चणति	
चण	१	हिंसागत्योः	चणति	मि
चण	१	दाने	चणति श्रणकः	म
चत	१	याचने	चतते (वा) चतति चातकः	ञ उ
चद	१	याचने	चदते (वा) चदति	ए ञ
चद	१	आल्हादने दीप्तौ च	चन्दति–चन्द्रः-चचन्द–चन्द्रोज्वलचारुचित्तौ विदर्भराजो मिलने मुरारेः	इ
चन	१	हिंसायां-श्रद्धायांच	चनति	म
चन	१	शब्दे	चनति	
चप	१	सान्त्वने	चपति शिष्यं	
चप	१०	कल्के	चपयति	क म
चप	१०	गत्यां	चपति (वा) चपयति	इ कि
चम	१	अदने	चमति (वा) आचमति	उ
चम	१	अदने	आचामयति जलं पथिकः साधुः	उ
चम	९	भक्षे	चम्नोति	न उ र
चम्ब	१	गत्यां	चम्बति	

धातु.	गण	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
चय	१	गतौ	चयते	ङ
चर	१	गतौ (त०) अदने	चरति चारः	
चर	१०	असंशये	विचारयति धर्मं पंडितः विचारणा	क
चर्ब	१	गत्यां	चर्बति	
चर्च	१–१०	परिभाषणभर्त्सनयोः	चर्चते (वा) चर्चयते	ङ कि
चर्च	६	परिभाषणतर्जनयोः	चर्चति	श
चर्च	१०	अध्ययने	चर्चयते वेदं शिशुः चर्चा.	क ङ
चर्व	१	गतौ	चर्वति	
चर्व	१	अदने	चर्वति (वा) चर्वयति–चर्वणं	कि
चल	१	कंपने	चलयति (वा) चालयति नरं कपि	म
चल	६	विलसने	चलति भर्त्रा नारी	श
चल	१०	भृत्यां	चलयति	क
चष	१	वधे	चषति	
चष	१	भक्षणे	चषति (वा) चषते चषकः	म

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
चह	१	परिकल्कने	चहति तर्पि लोकः	
चह	१०	परिकल्कने	चहयति कपटी	क त
चाय	१	पूजानिशामनयोः	चायति (वा) चायते धर्मं	ऋ म
चि	१	हिंसायां	चयति	र इ र् ण
चि	१	चयने	चयति (वा) चयते	म
चि	५	चयने	चिनोति (वा) चिनुते धान्यं कृषकः	न म
चि	१०	चयने	चययति	क मि
चिक्क	१	आर्तौ	चिक्कयति	क
चिट	१	प्रेष्ये	चेटति भृत्यं चेटः चेटी	
चिट	१०	प्रेष्ये	चेटयति	क
चित	१	संज्ञाने	चेतति भक्तो हरिश्चेतति चेतित रामस्मरक्तेशं	ई
चित	१०	स्मृत्या	चिन्तयति चिन्ता	क इ
चित	१०	संचेतने	चेतयते	क ङ
चित्र	१०	चित्रीकरणे	चित्रयति पटं चित्रकार. चित्रः आ-श्री-चित्र	क त
चित्र	१	समने	चित्रति [illegible]	श
चिल	१	[illegible]	[illegible]	

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
चीक	१–१०	आमर्षणे मर्षणे	चीकति (वा) चीकयति	कि
चीव	१	आदान संवरणयोः	चीवति (वा) चीवते	ऋ अ
चीभ	१	रथने	चीभते	ऋ इ
चीय	१	मनुष्यादानयोः	चीयति (वा) चीयते	ऋ अ
चीव	१०	भाषार्थे-दीप्तौ	चीवयति	क
चीव	१	ग्रहसंवृत्योः	चीवते	ऋ इ
चीव	१	आदान संवरणयोः	चीवति (वा) चीवते	ऋ इ
चुक्क	१०	व्यथने	चुक्कयति	क
चुच्य	१	अभिषवे	चुच्यति	ई
चुट	६	छेदे	चुटति	दा शि
चुट	१०	छेदने-भेदनेच	चोटयति धान्यं	क
चुट	१०	छेदने	चुटयति केशं शिशुः	क इ
चुट	१	अल्पीभावे	चोटति वेदः वली	
चुट	१	अल्पीभावे	चुण्टति	इ
चुट्ट	१०	अल्पीभावे (अथवा) संहतौ	चुट्टयति शोकेन देहः	क
चुड	१	अल्पीभावे	चुण्डति	इ
चुट्ट	१०	छेदने	चुण्डयति	क इ
चुड	६	संवरणे	चुडति	दा
चुड्ड	१	हावकरणे	चुड्डति नदी	
चुण	६	छेदे	चुणति शाकं भिक्षुः	दा शि

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
चुत	१	आसेचने	चोतति	इ र्
चुद	१	निशाने	चुन्दति (वा) चुन्दते	उ इ र भ इ
चुद	१०	संचोदने	चोदयति चोदना	क
चुप	१	मंदायां गतौ	चोपतिखलः	
चुब		वक्त्रसंयोगे	चुंबति (वा) चुंबयति	इ कि
चुर	१-१०	स्तेये	चोरति (वा) चोरयति चोरः	कि
चुर	४	दाहे	चूर्य्यते	य ह ई
चुरण	११	चौर्य्ये	चुरण्यति	ट
चुल	१०	निमज्जने समुच्छ्रायेच	चोलयति गंगायां मुनिः चोलः चोला	क
चुड	१	हावकरणे	चुडति प्रियेण नारी चुडी	
चुडुम्प	१	लोपे	चुडुम्पति	
चूण	१०	संकोचे	चूणयति चूण	क
चूर्ण	१०	प्रेरणे संकोचने	चूर्णयति	क
चूष	१	पाने	चूषति स्तनंशिशुः	
चृत	६	हिंसायां (ग०) ग्रन्थे	चृतति चर्तते	श ई
चर्च	१-१०	संदीपने	चर्चति (वा) चर्चयति	कि
चर्प	१०	संदीपने	चर्पयति	क

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
			चेष्टते पटिग्र चेष्ट	इ
चेष्ट	१	चेष्टायां	चेल	उ
क्,चेल	१	गतौ	नेमति	इ
च्यु	१	गतौ	चेले	क
च्यु	१०	हासमहनयोः	प्यायति	इ र
च्युत	१	आसेचने	च्योतति बह्नौ हविः, अ च्युत, च्योत.	
च्युस	१०	हानौ सहनेच	च्यावयति	
1 ;	१	अपवारणे	इति	क
छद	१०	अपवारणे	इयति	क त
छद	१०	संवृतौ	इयति	क इ ८ म
छद	१०	ऊर्जने	इयति पुत्रं घृतेन पि	कि इ
छद	१०	संवरणे	ति (वा) छन्दयति	क इ
छप	१०	गतौ	ययति	उ
छम	१	अर्दने	ति	क
छर्द	१०	वमने	ईयत्यन्नं गेगी	भग इ र औ
छिद	७	द्वैधीकरणे	छिनत्ति (वा) छिन्ते तृणं	क त
			शिष्यः छेदः	
			छिद्रयति कलशं मन	श शि
छिद्र	११	विभेदे	ति	क
छुट	६	छेदे-संहतौ	यति	श
छुट	१०	छेदने-संहतौ	ति	
छड	६	संवरणे		

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
छुप	६	स्पर्शे	छुपति	श औ
छुर	६	छेदे (त०) लेपे	छुरति	श शि
छृद	१	संदीपने	छर्दति	ई
छृद	१०	संदीपने	छर्दयति तेमो ऽ नुनम्य हरिः	क कि ई
छृद	७	देवनद्युतिगमनेषु	छृणत्ति (वा) छृन्ते	ध अ उ इ र
छृप	१०	संदीपने	छर्पयति	क
छेद	१०	द्वैधीकरणे	छेदयति तरुं तक्षा	क त
छो	४	छेदने	छ्यति धान्यं कृषाण	य
छ्यु	४	गतौ	छ्युयते	ङ
जस	१	दानगत्योः	जसते	इ ह म
जक्ष	२	भक्षहसनयोः	जक्षिति मूलक	ल अ लुग
जज	१	युद्धे	जजति	
जञ्ज	१	युद्धे	जंजति	इ
जट	१	संहतौ	जटति जटा	
जन	३	जनने	जजन्ति बीज सस्येभ्य जन–जन्मा	ल म इ
जन	४	प्रादुर्भावे	श्रीमान्कुले जायते	य म इ ङ
जन	१०	जनने	जनयति विश्व विष्णु	
जप	१	मानसे	जपति—जप—जाप	
जप	१०	संताने	जापयति	क

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
जभ	१	यमने	जभति	
जभ	१	यमने	जम्भति	इ
जभ	१	गात्रविनामे	जभते	ङ
जभ	१	गात्रविनामे	जंभते जंभ.	इ ङ
जभ	१०	नाशने	जंभयति जंभ शाकः	क
जम	१	अदने	जमति	उ
जर्च	६	परिभाषणतर्ज्ज-नयो·	जर्चति	श
जर्छ	६	परिभाषणतर्ज्ज-नयो।	जर्छति	श
जर्झ	६	परिभाषणतर्ज्ज नयोः	जर्झति	श
जर्ज	६	परिभाषणतर्ज्ज-नयोः	जर्जति	श
जर्त्स	१	परिभाषणतर्ज्जन-योः (त०) रसे	जर्त्सति	
जल	१	अपवारणे	जलति	अ
जल	१०	अपवारणे	जालयति विभागोदासमानं जालं	क
जल्प	१	व्यक्तायांवाचि	जल्पति	
जष	१	हिंसायां	जषति (वा) जषते	भ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
नस	४	मोक्षणे	नस्यति वत्सं गोपः	उ इ र व
नस	१०	हिंसायां (त॰) अनादरे	नासयति रिपुं राजा	क
नस	१०	रक्षणे	नंसयति	क इ
नस्	१०	ताडने	नासयति (वा) नसति	उ कि
जागृ	२	निद्राक्षये	जागर्त्ति मुनिः	ल लु
जि	१	जये अभिभवेच	जयति कृष्णः जयः	
जिम	१	अदने	जिमति	उ
जिरि	५	हिंसायां	जिरिणोति	न र
जिव	१	प्रीणने	जिंवति	इ
जिवि	५	निघांसायां	जिविनोति	न
जिप	१	सेचने	जेपति	उ
जीव	१	प्राणधारणे	जीवति हरिकृपया साधु जीवः	क्ष
जु	१	गतौ	जवते जवः	क
जु	१	अंहसि	जवति	र
जुग	१	त्यागे	जुंगति	इ
जुड	६	बन्धे	जुडति जनः सूत्रेण वस्त्रं, जोडः, जोडनं	श शि
जुड	६	गतौ	जुडति जुजोड	श
जुड	१०	प्रेरणे	जुण्डयति भृत्यं राजा	क इ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
			जोतते विद्यया नर-	ऋ ङ
जुत	१	भासने	जनति	श
जुन	६	गतौ	जोलयति	क
जुल	१०	पिषि	जोषति (वा) जोषयति	णि
जुष	१-१०	परितर्कणे (म०	भुक्तेनतृप	ग ङ ई णि
		तृप्तौ	जुषते हरिभक्तः	ग ई
जुष	६	प्रीतिसेवनयोः	जूर्यते वृद्ध	
जूर	४	जीर्णे हिंसावयो-		ई
		हान्योः	जूर्वति	म
जूर्व	१	वधे	जूषति (वा) जूषते	
जूष	१	हिंसायां	जृगति	ङ ई
जृ	१	न्यक्कारे	जभंते	ई ङ
जृभ	१	गात्रविनामे	जृभते (म०) जृभति-	
जृम्भ	१	गात्रविनामे	जृभ--जृभ जृंभं जृंभण	
			जीर्यति जीर्णः--णा--र्णं	ग प म ई ऋ
जॄ	४	वयोहानौ	जृणाति जरया जनः जी	ग णि
जॄ	९	वयोहानौ	र्णः.--णा--र्णं	
			जरति (वा) जरयति	क ञि
जॄ	१-१०	वयोहानौ	जेषते	ऋ ङ
जेष	१	गतौ	जेहते	ऋ ङ
जेह	१	यत्ने	जायति	
जै	१	क्षये		

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
जि	१	अभिभवे	जयति धर्मं कलिः	
ज्री	९	ज्याने	ज्रिणाति	ग गि
ज्ञा	९	अवबोधने	जानाति	ग
ज्ञा	१०	मारणतोषणनिशामनेषु (न०) म्नुतौनिशाने च	ज्ञपयति रिपुं राजा ज्ञपयति मित्रं नर ज्ञपयति पाण्डित्य सभायां	क म
ज्ञा	१०	नियोजने	ज्ञापयति भृत्यं राजा	क
ज्ञप	१०	मारणतोषण निशामनेषु म्नुतौ च	ज्ञपयति	क म
ज्या	९	जरायां	जिनाति	ग गि
ज्यु	१	गत्या	ज्यवते	इ
ज्युत	१	भासने	ज्यानति	इ ऌ
ज्युत	१	भासने	ज्योतते	ऋ इ
ज्यो	१	नियमव्रतादेशोपानीतिषु	ज्यवते	ङ
ज्वर	१	रोगे	ज्वरत्यतीर्षेन ज्वर	म
ज्वल	१	दीप्तौ	ज्वलति वह्निः ज्वाल्य	म
ज्वल	१	दीप्तौ	ज्वलति (वा) ज्वालयति मित्र क्रोध प्रज्वलयति	
झट	१	सङ्घाते	झटति केशाः झटा	——

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
झमु	१	अदने	झमति	उ
झर्च	६	परिभाषणभर्त्सनयोः	झर्चति	श
झर्छ	६	परिभाषणभर्त्सनयोः	झर्छति	श
झर्झ	१	परिभाषणभर्त्सनयोः	झर्झति झर्झरः	श
झर्झ	६	परिभाषणभर्त्सनयोः	झर्झति	—
झष	१	संहृ	पिधाने-झषति (वा) झषते	अ
झष	१	हिंसायां	झषति झषः	—
झृ,झ्यु	१	गतौ	झयति	ए
झूष	१	हिंसायां	झूषति	—
झॄ	४	वयोहानौ	झीर्यति-झीर्ण-र्णा-र्णं	य प
टङ्क	१०	बन्धे	टङ्कयति-टङ्क विटङ्क	ष. ई
टल	१	विक्लवे	टलति	अ
टिक	१	गत्यां	टेकते	ऋ ए
टिप	१०	क्षेपे	टेपयति	ष.
टीक	१	गत्यां	टीकते	ऋ ए
टीक	१	गत्यां	टीकते	ऋ ए

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
डुल	१	विलुवे	डुलति	न
डप	१०	संहतौ	डपयते	क इ
डप	१०	संहतौ	डंपयते	क इ ङ
डब	१०	क्षेपे	डंबयति	क इ
डिप	४	क्षेपे	डिप्यति	य इर्
डिप	६	क्षेपे	डिपति शरं	श नि
डिप	१०	क्षेपे	डेपयति	क
डिप	१०	संहतौ	डेपयते	क ङ
डिप	१०	संहतौ	डिंपयते	क इ ङ
डिब	१०	क्षेपे	डिंबयति	क इ
डिभ	१०	संघाते	डिंभयते	क इ ङ
डी	४	गतौ	डीयते पक्षी —	य ङ
डी	१	विहायसागतौ	डयते गगने हंसः, प्रडीनं, संडीनं, उड्डीनं	
डुब	१०	अस्ने	डुंबयति	क इ
डुभ	१०	संघाते	डुंभयते	क इ ङ
णक्ष	१	गतौ	नक्षति	
णख	१	गतौ	नखति	
णख	१	गतौ	नखति प्रयागात् काशीं	इ
णट(इति)नट	१	नृत्ये	नाटयति	म

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
णट	१	नृत्ये (त.) हिंसायां	णटति	
णद	१	क्लिष्टोक्तौ	नदति नद	
णद्	१०	भाषार्थे (वा०) भासार्थे	नादयति	क
णभ	९	हिंसायां	नभ्नाति	ग
णभ	१	हिंसायां	नभते नाभि·	ल्ह ङ
णभ	४	हिंसाया	नभ्यति	य
णम(वा) नम	१	प्रह्वशब्दे	नमति, प्रणमति गुर शिष्यः, प्रणाम	
णय	१	रक्षणे (न०) गतौ	नयते	ङ
णर्द	१	,,	(इति नर्द)	
णल	१	बन्धे-गन्धे च	नलति	ञ
णश	४	अदर्शने	नश्यति काम· नाश.	य ल्ह ऊ
णस	१	कौटिल्ये	नसते खल	
णह	४	बन्धने	नह्यति (वा) नह्यते	य ञ औ
णाध	१	,,	(इतिनाथ)	
णाथ	१	ऋ	(इतिनाथ)	ऋ
णास	१	शब्दे	नासते नासा	ऋ ङ
णिज	३	शौचे	नेनेक्ति (वा) नेनिक्ते जलेन वस्त्रं निर्णेजनं	श्लु,इर,ञ,औ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
णिज	२	शुद्धौ	नेनिक्ते जलेन गात्रं	ल इ इ
णिद	१	कुत्सायां (त.) सन्निधौ	नेदति (वा) नेदते पापि-नं साधुः निद्यते	ऋ इ
णिद	१	कुत्सने	निन्दति इति निंद्	इ
णिल	६	गहने	निलति	श
णिव	१	सेके	निवति	इ
णिश	१	समाधौ	नेशतिमुनिः निशा	
णिष	१	सेके	नेषति	
णिस	२	चुंबने	निंस्ते हरिमुखं नन्दः	उ
णी	१	प्रापणे	कृष्णं मथुरां नयते (वा) नयत्यक्रूरः नयः नाय	ल इ ई ञ
णील	१		नीति नायकः (इतिनील)	
णीव	१		(इतिनीव)	
णु	२	स्तुतौ	नौति	ल
णुद	६	प्रेरणे	नुदति (वा) नुदते पठ-नाय पुत्रं पिता	श ञ औ
णू (अ.) णु-	६	स्तवने	नुवति हरिं मुनिः	श दि
णेद-इ ति णिद	१	कुत्सायां (त.) सन्निधौ	नेदति (वा) नेदते	ऋ ञ

धातु.	गण.	अर्थ	उदाहरण.	अनुबन्ध.
णेप	१	गतौ	नेपते	ऋ ई
तक	१	महनहासयोः	तकति	
तक	१	गतौ	तकते	ङ इ
तक	१	कृच्छ्रजीवने	तकति	इ
तक्ष	१	तनूकरणे स्वचनेच	तक्षति पृष्ठं तक्षा	ऊ
तग	१	गतिकंपस्खलनेषु	तगति	इ
तंच	७	संकचे	तनक्ति	ध
तंच	१	गतौ	तचति	उ
तंज	७	संकोचे	तनक्ति	ध उ
तट	१	उच्छ्राये	तटति तट	
तट	१०	आहतौ	तटयति	क
तड	१०	आघाते (त.) शिवपि	ताडयति ताम्र ताम्रकार	क
तड	१	ताडने	तण्डतेरिपु	ङ इ
तंतस्	११	दुःखे	तंतस्यति	ट
तद	१	कल्याणे	तन्दते गृहे नरः	इ
तन	८	विस्तारे	तनोति (वा) तनुते तन्तु तन्तुवाय वितान.	ड ञ उ
तन	१-१०	श्रद्धोपतापयोः (तथा) उपकृतौ श्रद्धाघातेऽशब्दे च	तनति (वा) तानयतिता निशाकरजन. वितानयति	कि उ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
तप	१	संतापे	तपति तापः	औं
तप	४	ऐश्वर्य्ये	तप्यते सेनया राजा	य इ औं
तप	१-१०	दाहे	तपते (वा) तापयते	कि इ
तंब	१	गतौ	तंबति	
तम	४	ग्लानौ (त०) इच्छायां	ताम्यति दुराचारेण विप्रः	य म इर् उ
तय	१	गतिरक्षयोः	तयते	ङ
तरण	११	गतौ	तरण्यति	ट
तन्त्र	१०	कुटुंबभरणे	तन्त्रयते कुतन्त्रेण कुमतिः	क इ ङ
तर्क	१०	भाषार्थे दीप्तितर्कयोश्च	तर्कयति	क
तर्ज	१	तर्जने	तर्जति तं तनर्जानिलात्मजं	
तर्ज	१०	तर्जने	तर्ज्जयते	क ङ
तर्द	१	हिंसायां	तर्दति ततर्द	
तर्व्व	१	गतौ	तर्व्वति	
तल	१-१०	प्रतिष्ठायां	तलति (वा) तालयति देवालये राजा तलः तालुः	कि
तस	४	उपक्षेपणे	तस्यति मत्स्यो मत्स्यं वितस्तिः	य उ इर्
तस	१-१०	अलंकारे	तंसति (वा) तंसयति उत्तंसः अवतंसः	कि इ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
तमु	४	उपक्षये	तस्यति	उ य
ताय	१	संताने पालने च	तायते धर्मं साधुः	ऋ ङ
तिक, तीक	१	गतौ	तिकते	ऋ ङ
तिक	५	निर्वासायां	तिक्नोति	न
तिग	५	निघासाया (त.) स्कन्दनेन	तिग्नोति	न
तिघ	६	घातने	तिघ्नोति	न
तिज	१	निशाने क्षमायां च	तितिक्षते खल साधुः	ङ
तिज	१०	निशाने	तेजयति शूलं भटः तेजना	क
तिप	१	क्षरणे (त.) च्युति	तिपते जल घटात्	उ ऋ ङ
तिम	४	आर्द्रभावे	तिम्यति तैलेन देह	य
तिल	६	स्नेहने	तिलति तैलेन गात्र तिल	श
तिल	१०	स्नेहने	तेलयति तैलेन देहं जन	क
तिल (ण) तिल्ल	१	गतौ	तेलति	
तिरस्	११	अन्तर्द्धौ	तिरस्यति कुटिलो वासं जघना	ट
तीक	१	गतौ	तीकते	ङ ऋ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
तीम	४	आर्द्रभावे	तीम्यति तैलेन देहः	य
तीर	१०	समाप्तौ	तीरयति तीरं	क त
तीव	१	स्थौल्ये	तीवति	
तु	२	गतिवृद्धिवृत्तिहिंसा पूर्तेषु	तौति	ल
तुज	१	हिंसायां	तोजति तुतोज	
तुज	१०	भाषार्थे	तुंजयति	क इ
तुंज	१०	हिंसायां	तुंजयति	क इ
तुज	१०	हिंसाबलादान निकेतनेषु	तोजयति	क
तुंज	१	हिंसाबलस्थैर्य—नप्राणनेषु	तुंजति तुंगः तुंगी	इ
तुट	६	कलहकर्म्मणि	तुटति खलः पित्रा सह	श शि
तुड	१	तोडने	तोडति जरासंधं भीमः	ऋ
तुड	६	तोडने	तुडति बन्धनं हस्ती तोडनं	श शि
तुड	१	तोडने(न.)वधे	तुंडते तृणं तुण्डं	इ ए
तुड्ड	१	अनादरे	तुड्डति	
तुण	६	कौटिल्ये	तुणति खलः	श
तुत्थ	१०	स्तुतौ	तुत्थयति	क त

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
			तुदति (वा) तुदते विधुं	श अ औ
	६	व्यथने	तुदो विधुं ताम्र	इ
			तुन्दति मुखाय तुन्दं	
)	१	चेष्टायां		
			तोपति	क इ
	१	वधे	तृम्पति	श प
	१०	तर्दने	तुपति	श
र	६	हिंसायां	तुपति	
प	६	हिंसाया (त०)		
		क्रीडि	तृपति	श
	१	वधे	तुफति	
तुंप	६	हिंसायां	तुफति	श
तृफ	६	हिंसाया	तृफति भोजने·विप्र.	कि इ
तुंफ	६	तृप्तौ	तृषति (वा) तुंबयति–	
तुंफ				
तुब	१–१०	अर्दने अदर्शनेच	तुंबी	ल्द
			तोभते	य
तुभ	१	हिंसायां	तुभयति	ग
तुभ	४	हिंसायां	तुभ्यति	ञि
तुभ	९	हिंसायां	तुतोर्ति सुकर्मा, धनानि	
तुर	३	त्वरणे	तुरितं, तुरा,तुरग:, तुरग–	
			तुरण्यति	
तुरण	११	त्वरायां		

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
तुर्व	१	हिंसायां	तुर्वति	ई
तुल	१०	पूरणे	तोलयते	क ह
तुल	१-१०	उन्माने	तोलति (वा) तोलयति कांचनं जनः तुल्य	कि
तुष	४	तुष्टौ	तुष्यति तुष्टः, टा, टं, तुष्टिः	य ल औ नि
तुस	१	शब्दे	तोसति	
तुह	१	अर्दने	तोहति	इ र्
तुड	१	अनादरे, तोडनेच	तुडति	ऋ
तूण	१०	संकोचे	तूणयति	क त
तूण	१०	पूरणे	तूणयते, तूणः, तूणा, तूणी, तूणीरः	क ह
तूर	४	त्वरणे, हिंसाया	तूर्यते याचकः	य ह ई
तूल	१	निष्कर्षे	तूलतिकनकं तूलिका	
तूष	१	तुष्टौ	तूषति कृष्णः	
तृक्ष	१	गतौ	तृक्षति तृक्षः तार्क्ष्य	
तृण	८	अदने	तृणोति (वा) तृणुते तृणं वृषः	द म उ
तृद	७	हिंसादनयोः (त.) अनादरे	तृणत्ति (वा) तृंत्ते	घ ज इर् ऐ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण	अनुबन्ध.
तृप	१–१०	प्रीणने (त) मे-दीप्तिसंमदीपे	तर्प्पति (वा) तर्प्पयति हरिणा वन्हि विप्र	क्वि
तृप	४	प्रीणने	तृप्यति पयसा बाल तृप्ति तर्पण	य ञि उ
तृप	५	प्रीणने	तृप्नोति	न
तृप	६	प्रीणने	तृपति	श प
तृंप	६	प्रीणने	तृपति	श
तृफ	६	तृप्तौ	तृफति भोजने विप्र	श
तृष	४	पिपासायां	तृष्यति चातक तृट् तृषा तृष्णः णा—ण—तृष्णा	य इर ञि श ऊ
तृह	७	हिंसायां	तृणेढि रिपु जन	ध ऊ
तृह	१	वृद्धौ	तृहति	इ
तृंह		हिंसायां	तृहति	श ऊ
तॄ	१	तरणाभिभ—वप्लवनेषु	तरति गंगा धीवरः तरणि तरणी तरि· तरी	
तॄ	९	हिंसायां	तृणाति	
तॄ	९	हिंसायां	तृणाति (वा) तृणीते	अ ग
तेप	१	कम्पेक्षरणे च्युत्यां च	तेपते	ङ ड
तेव	१	देवने	तेवते	ङ ड
तोड	१	अनादरे	तोडति	

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
तौक	१	गतौ	तौकते	ऋ इ
त्रक	१	गतौ	त्रंकते	इ ड
त्रग	१	गतौ	त्रग्वति	
त्रख	१	गतौ	त्रंखति	ड
त्रग	१	गतौ	त्रंगति	इ
त्रद	१	चेष्टायां	त्रदति	
त्रप	१	लज्जायां	त्रपते वधूः त्रपा	उ, इ, प, मि
त्रस	१	उद्वेगे	त्रसति	ई ण
त्रस	४	उद्वेगे	त्रस्यति खलात्साधु त्रासः	य
त्रम	१०	निवारणे(त)ग्रहे-निषेधहुत्वा	त्रासयति शत्रुं शूरः	क
त्रस	१-१०	भाषार्थे(वा)मासि	त्रंसति (वा) त्रंसयति	कि इ
त्रुट	४	छेदने	त्रुटयति	य
त्रुट	६	छेदने	त्रुटति	श शि
त्रुट	१०	छेदने	त्रुटयते	क इ
त्रुप	१	वधे	त्रुपति	
त्रुंप	१	वधे	त्रुंपति	
त्रुफ	१	हिंसायां	त्रोफति तस्करो धनाय पान्थं	
त्रै	१	पालने	त्रायते	ङ
त्रौक	१	गतौ	त्रौकते	ऋ ङ

धातु	गण	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
त्वक्ष	१	तनूकरणे	त्वक्षति वृक्षं	
त्वक्ष	१	त्वचोग्रहे	त्वक्षति	
त्वग	१	गतिकम्पयोः	त्वगति	इ
त्वच	६	संवरणे	त्वचति दोषं दानेन दाता, त्वचं, त्वक्, त्वचा	श
त्वंच	१	गतौ	त्वंचति	उ
त्यज	१	हानौ	त्यजति गृहं यतिः त्यागः.	औ
त्वर	१	सम्भ्रमे	त्वरते भोजनाय त्वरा	ञि ष म इ
त्सर	१	छद्मगतौ	त्सरति खलः त्सरुः	
त्विष	१	भामे	त्विषति (वा) त्वेषते	औ अ
थुड	६	संवृतौ	थुडति	श शि
थुर्व	१	हिंसायां	थुर्वति	ई
दक्ष	१	हिंसायां	दक्षते	म ष इ
दक्ष	१	वृद्धौ(त.) स्यंदे	दक्षते धर्मेण दक्षः	इ
दघ	१	घातने	दंघति	इ
दघ	५	घातने–पालनेच	दघ्नोति	न
दंड	१०	दंडनीपातने	दण्डयति दण्डयं राजा दंडः	क त
दद	१	दाने(त.) धृतौ	ददते	इ
दध	१	धारणे(त.) दाने	दधते	इ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
दह	१०	दीप्तौ-दाहेच	दहयति	क इ
दा	३	दाने	ददाति गां विप्राय (अथवा) दत्ते, आ उपसर्ग आदत्ते	छि ह डु
दा	२	लवने	दाति दात्रेण धान्यं	छ प
दाणृ-तिदा	१	दाने	यच्छति धनं विप्राय	
दान	१	अवखण्डने(अथवा) आर्जवे	दीदांसति (वा) दीदांसते शाणं वर्द्धकि	उ ङ
दाय	१	दाने	दायते	ऋ ङ
दाश	१	दाने	दाशति (वा) दाशते विप्राय वस्त्र	ऋ भ
दाश	१०	दाने	दाशयते	क ऋ ङ
दाश	५	हिंसने	दाश्नोति	न र
दास	१	दाने	दासति (वा) दासते दास.	ऋ भ
दास	५	जिघांसायां(त.)वधे	दास्नोति रिपुं	न र
दिप	१०	मथाने	दिपयते	क ङ
दिप	१	संघाते	दिपति (वा) दिपते	ञ
दिम	१०	नोदे	दिमयति	क इ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
दु	५	उपतापे अनुतापे	दुनोति मेन कामेन दव दाव -	न टु ओ
दुःख	१०	तत्क्रियायां	दुःखयति	क त
दुःख	११	तत्क्रियायां	दुःखयति	ट
दुर्व	१	हिंसायां	दूर्वति	ई
दुल	१०	उत्क्षेपे	दोलयति तृणं वायु, दोला, दुलिः, दुल्ला	क
दुष	४	वैकृत्ये	दुष्यति दुष्टमंगत्या साधु, दोष दोषण, दूषणं	य इर ओ
दुह	१	अर्दने	दोहति	इर
दुह	२	प्रपूरणे	गां दोग्धि पयो गोप दुग्ध-दुदोह गां महत्नाय	ल ओ
दू	४	परितापे	दूयते परदुःखेन साधुः	य ङ ओ
दृ	६	आदाने	आद्रियते साधुरनीर्षि आदरः आदृतः ता त	श ङ
दृप	१-१	संदीपने	दर्पति (वा) दर्पयति	कि
दृप	४	दर्पगर्वयोःमोहनेच	दृप्यति	य जि ऊ इर्
दृप	६	बाधने	दृपति	श
दृप	१	बाधने	दृपति (वा) दृंपति	न
दृप	१०	संघाते	दृंपयते	क ङ
दृफ	६	संक्लेशे	दृफति रिपुं राजा	श प

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
दृफ	६	संक्लेशे	दृफति रिपु राजा	श
दृभ	६	ग्रथे	दृभति माल्यं	श ई
दृभ	१-१०	भये सन्दर्भे	दर्भति (वा) दर्भयति	कि ई
दृश	१	प्रेक्षणे	पश्यति	इर् ओ
दृह	१	वृद्धौ	दर्हति	
दृह	६	वृद्धौ	दृहति	इ
दृ	९	भये	दृणाति	ग गि
दॄ	१	भये	दरति	म
दॄ	९	विदारणे	दृणाति	ग गि
दॄ	४	विदारणे	दृयति	य
दॄ	५	हिंसायां	दृणोति	न
दे	१	पालने	दयते दयते	ङ
देव	१	शरणे	देवते	अद
देव	१	देवने-परिदेवने	देवते देव स्वर्गे	अ ङ
दै	१	शोधने	दायति मलेन देहं	प
दो	४	अवखण्डने	शिर शत्रोर्द्यति	य
द्यु	२	अभिगमने	द्यौति रामो महामना	ल
द्युत	१	दीप्तौ	द्योतते	लृ ङ
द्यै	१	न्यक्करणे	द्यायति मठं साधु	
द्रम	१	गतौ	द्रमति	
द्रम्	११	परिहासे	द्रम्यति	ट

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
द्रा	२	कुत्सायां (त०) पलायने	द्राति निद्राया निद्रालु	
द्राक्ष	१	घोरवाशिते (त०) काङ्क्षे	द्राक्षति	ई
द्राख	१	शोषणालमर्थयो	द्राखति हिमेन वृक्ष.	ऋ
द्राघ	१	आयामे-सामर्थ्ये	द्राघते मोक्षे मुनि आयामशक्तिषु	ऋ ङ
द्राड	१	विशरणे	द्राडते पुष्प	ऋ ङ
द्राह	१	जागरे, निक्षेपेच	द्राहते	ऋ ङ
द्रु	१	गतौ	द्रवति लोह द्राव	
द्रु	१	अनुतापे	द्रवति	र ण
द्रुट	१	मज्जने	द्रोडति	
द्रुड	६	मज्जने	द्रुडति	श ङि
द्रुण	६	गतौ, हिंसे, क्षये	द्रुणति हय द्रोणि·	श
द्रुह	४	जिघांसायां	द्रुह्यति रिपुं राजा द्रोह:	य ऌ उ
द्रू	९	हिंसायां-गतौ	द्रूणाति (वा) द्रूणीति	ग श
द्रेक	१	शब्दोत्साहयो·	द्रेकते युद्धे वीरः	ऋ ङ
द्रै	१	स्वप्ने	द्रायति रात्रौ लोक·, निद्रा, निद्रालुः	
द्वृ	१	संवरणे	द्वरति	

शब्द	[illegible]	अर्थ.	उदाहरण.	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]		[illegible]	[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]		[illegible]	[illegible]	
[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

धातु.	गण.	अर्थ	उदाहरण.	अनुबन्ध
धिन्व	५	प्रीणने (स०) गतौ	धिनोतिहृत्येन हिरण्यरेतसं	न इ
धिष	३	शब्दे	दिधेष्टि	
धी	४	अनादरे (स) आधारे	धीयते साधुं सतः	लि र
धु	५	कंपने	धुनोति (वा) धुनुते शाखिनं वात	य इ ओ
ध्रु	१	स्थैर्ये (गत्या) म रेणे	ध्रुवति ध्रुव	न न
ध्रु	६	स्थैर्ये-सर्पणेच	ध्रुवति	ञि
धुर,धुर	४	हिंसायां (न) गतौ	धूर्यते रिपुं मरी	दा दि य ई न
धुर्व	१	हिंसायां	धूर्वति	
धू	१	तपने	धवति (वा) धवते	ई
धू	१	नक्षत्रमने	धवते पत्रं वृक्षात्	न
धू	९	कंपने	धूनोति (वा) धूनुते शाखिनं वात.	इ न न
धू	६	विधूनने	धुवति हस्तं नटः	
धू	९	कंपने	धूनाति पल्लवं वात धूनीते-नं	दा दि ग गि

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
धू	१०	कंपन	धावयति (वा) धावयते धूनयति (यथा) वायुर्विधूनयति केसरपुष्पजातं.	क ञ
धूक्ष	१	संदीपनेजीवने-क्लेशनेच	धूक्षते वन्हिः काष्टेन	ङ
धूप	१	सतापे	धूपायति	
धूप	१०	भाषार्थे (त०) दीप्तौ	धूपयति	क
धूश	—	———	इति धूस (तथा) धूप	
धूष	१०	धूशे	(इतिधूस)	क
धूष	१०	महतौ हिमे	धूषति	उ
धूम	१०	शान्तिकरणे	धूमयत्यंगं कुंकुमे ननः	क
धृ	१	धारणे	धरति (वा) धरते, धुरं, धुर्यः धुरंधरः	ञ
धृ	१०	धृतौ	धारयति	क
धृ	६	अवस्थाने	ध्रियते यावदेकोपि रिपुं	श ङ
धृ	१	हूर्छने	धरति	
धृ	१	सेचने	धरति मेघो भूमिं	
धृ	१	अवध्वंसे	धरते	ङ
धृज	१	गतौ	धर्जति	

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
धृज	१	गतौ	धृंजति	इ
धृष	१-१०	प्रहसने-अमर्षेण	धर्षति (वा) धर्षयति धृष्टोधार्मिक	कि
धृष	१०	शक्तिबन्धे	धर्षयते	क ङ
धृष	५	प्रागल्भ्ये	धृष्णोति सभायां देवदत्त धृष्ट, टा टं	न ञि आ
धे	१	पाने	धयति वत्सो धेनुं	ट
धेक	१०	दर्शने	धेकयति कपर्द्दिन शैव	क
धोर	१	गतिचातुर्ये	धोरत्यश्व.	
ध्मा	१	शब्दाग्निसंयोगयो	धमति शंखं कृष्ण – धमति लोहं लोहकारः	
ध्माक्षत	१	घोरवाशिते (त०)	ध्मांक्षति ध्माक्षः	इ
ध्मांक्ष		कांक्षे		
ध्यै	१	चिन्तायां	ध्यायति हरिं यतिः ध्यानं	
ध्रज	१	गतौ	ध्रजति	
ध्रज	१	गतौ	ध्रंजति	इ
ध्रण,ध्वण	१	शब्दे	ध्रणति (तथा) ध्वणति	
ध्रस	९	उत्क्षेपे-उञ्छे	ध्रस्नाति	ग उ
ध्रस	१०	उत्क्षेपे	ध्रासयति	क

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
ध्राक्ष		घोरवासिते (त०)	ध्रांक्षति	ई
	१	कांक्षे		
ध्राख	१	शोषणालमर्थयो:	ध्राखति हिमेन वृक्षः	ऋ
ध्राघ	१	शक्तौ	ध्राघते	ऋ ङ
ध्राड	१	विशरणे	ध्राडते पुष्पं	ऋ ङ
ध्रिज		गतौ	ध्रिजति	
ध्रुव	६	गतिस्थैर्ययो	ध्रुवति	श
ध्रु	६	गतिस्थैर्ये	ध्रुवति ध्रुव	श शि
ध्रेक	१	शब्दोत्साहयो	ध्रेकते	ए ऋ
ध्रै	१	तृप्तौ	ध्रायति	
ध्वज	१	गतौ	ध्वजति ध्वज	
ध्वन	१	गतौ	ध्वमति	ई
ध्वण	१	ध्वाने	(इतिध्वन)	
ध्वन	१	शब्दे	ध्वनति ध्वनि ध्वन	मि
ध्वन	१०	शब्दे	ध्वनयति ध्वनः ध्वनि	क न
ध्वन	१०	शब्दे कोपे	ध्वनयति धनुर्द्धन्वी (वा) ध्वानयति (यथा) ध्वानयति वृक्षं वायुः	क
ध्वम	१	गतौ चूर्णने भंशेच	ध्वमते	उ ए ल
ध्वृ	१	वर्णे, कौटिल्येच	ध्वरति वर्ता अजर	

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
ध्वाक्ष	१	घोरवाशिते	ध्वांक्षति	इ
नक्क	१०	नाशने	नक्कयति	क
नख	१	सर्पणे	नखति नखः	
नज	१	व्रीडे	नजते	इ ओ ङ
नट	१	नृत्ये (त०) हिंसाया	नटति नटः	
नट	१०	अवस्यंदने, भ्रंशे, दीप्तौच	नाटयति हस्त नटी	क
नड	१०	भ्रंशे	नाडयति	क
नद	१	अव्यक्तेशब्दे	नदति नदी	
नद	१	समृद्धौ	नन्दति–ननन्द पारिप्लव-नित्रया नृपः नन्देत चकु के पुंसां	इ दु
नम्ब	१	गतौ	नम्बति	
नम	१०	नत्यां	नामयति (वा) नमयति	
नम	१	प्रव्हेशब्दे	नमति, प्रणमति गुरुं शिष्यः, नमस्कारः	
नय	१	गतौ	नयते	ङ
नर्द	१	शब्दे	नर्दति ननर्दचासुरः सोऽपि	
नर्व	१	गतौ	नर्वति	
नल	१०	अपवारणे	नालयति (वा) नलति	कि

धातु.	गण	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
नल	१०	दीप्तौ	नालयति	क
नह	४	बंधने	नह्यति (वा) नह्यते	य ञ औ
नाथ	१	याच्ञोपतापैश्वर्याशी:षु	नाथते (तथा) नाथति (यथा) नाथतिमन्न सार्धं नाथति याचकोविदान्यं नाथः	ऋ
नाध	१	याच्ञोपतापैश्वर्याशीषु	नाधते	ऋ ङ
निक्ष	१	चुंबने	निक्षति मुखं	
निद	१	कुत्सायां	निन्दति निन्दा	इ
निष	१	सेचने	नेषति	उ
निष्क	१०	परिमाणे	निष्कयते निष्कः	क ङ
नील	१	वर्णे	नीलति पटं नीलः नीली	
नीव	१	स्थौल्ये	नीवति	
नुड	६	तोदे	नुडति	श टि
नृत	४	गात्रविक्षेपे	नृत्यति नर्त्तकः	य
नॄ	१	नये	नरति	म
नॄ	९	नये	नृणाति नरं राजा	ग गि
पक्ष	१०	परिग्रहे	पक्षयति पक्षः	क क त

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
पच	१	पाके	पचति (वा) पचते पचा पाकः पचन पक्त का ः	अ औ प
पच	१	व्यक्तीकरणे	पचते गुणं कवि	
पच	१	व्यक्तीकरणे	पचते	
पच	१०	विस्तारे	पचयति पाञ्चिका भिक्षु	ह औ
पट	१०	ग्रंथे (त०) वेष्टने	पटयति माल्य माल्यकार	ई ह
पट	१०	भाषायां-लिपि	पाटयति	क इ
पट	१	गतौ	पटति	क त
पठ	१	व्यक्तायां वाचि	पठति पाठं पाठकः	क
पड	१०	संहतौ	पडयति	
पढ	१०	महतौ—नाशनेच	पण्डयति	
पड	१	गतौ	पण्डते पण्डा पण्डितः	क
पण	१	व्यवहारे (त०) स्तुतौ	पणते वणिगापणे पण पणायते हरिं विप्रः	क इ ह इ ह
पण	१०	व्यवहारे	पणयत्यापणे उपसर्गेभ पणयाति	क त
पन	१	गत्यां ऐश्वर्ये	पतति	ल्ह ज
पन	४	ऐश्वर्ये	पत्यते	य ह
पत	१	गतौ (त०) ऐश्वर्ये	पतयति पतं गोगगने	क त
पथ	१	गतौ	पथति पथ	ए ज

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
पथ	१०	गतौ	पंथयति पांथ	क इ
पय	१०	प्रक्षेपे	पाथयति	क
पद्	१	स्थैर्ये	पदति	ए
पद्	४	गतौ	पद्यते	य इ औ
पद	१०	गतौ	पदयते	क त इ
पन	१	व्यवहारे (त०) स्तुतौ	पनते वणिगापणे इति पण पनायति हरिं विप्र	
पंपस्	११	दुःखे	पपस्यति गदेनार्त्तः	ट
पंव	१	गतौ	पंवति	
पय	१	गतौ	पयते	इ
पयस्	११	प्रसृतौ	पयस्यति	ट
पर्ण	१०	हरितभावे	पर्णयति तरुपर्णं मेघ पर्णे, पर्ण	क त
पर्प	१	गतौ	पर्प्पति	
पर्द	१	कुत्सितेशब्दे व्यवहार, स्तुतौच	पर्दते गर्दभः	
पर्व्व	१	गतौ	पर्व्वति	
पर्व्व	१	पूरणे	पर्व्वति	
पर्षे	१	स्नेहने	पर्षते पुत्रे पिता पर्षत्-स स्पर्षते	ञ
पल्ल,पल्ल	१	गतौ	पल्लति (वा) पल्लति	ञ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
पल				
पल्युल	१०	रक्षणे		
पल्यूल	१०	लूनिपूत्यो:	पालयति (वा) पलयति	क
पश			ल्युलयति	
पश	९	बाधे-ग्रथेच		क त
	१०	बन्धे	. ते (वा) पशने	
पश			पाशयति पाशेन पशुं गो-	न
	१०	बन्धबाधयो:-	प पाशः	क
पष		स्पर्शगत्योश्च	शपति	
	१	बाधनस्पर्शयो	पाशः	क त
पष	१०	बन्धे-स्पर्शने अंधे	पपति (वा) पपते	
	१०	बन्धे-अनुपसर्गात्		न
पष		गतौ	पयति	
	१०	बन्धबाधयो.		क
पम		स्पर्शगत्योश्च	यति	
पम	१	नधमंथयो.		क त
पस	१०	बन्धे	ति (वा) पसते.	
पा	१०	नाशने	यति	म
पा	१	पाने	सयति	क
पार	२	रक्षणे	पिबति पासुः	क इ
	१०	समाप्तौ	त पुत्रं पिता पानं	
			यति राजसूयं युधि-	उ
			ष्ठिरः पारणारारं	क

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
पुड	६	उत्सर्गे	पुडति	श
पुड	१	मर्दे—खण्डनेच	पुण्डति	इ
पुण	६	शुभे कर्मणि	पुणति ध्यानेन जन. पुण्य	श
			ण्या—ण्यं निपुण· णा—णं	
पुथ	१०	प्रकाशे, निवसित	पोथयति	क
पुथ	४	हिंसायां	पुथ्यति रिपुं बानरो.	य
पुथ	१	हिंसायां मर्दनेच	पुंथति	इ
पुर	६	अग्रगमने	पुरति कौरवान् भीष्म,	श
			पुरोग	
पुर्व	१	पूरणे	पुर्वति जलेन कलशी	
पुल	६	महत्वे	पुलति	श
पुल	१	महत्वे	पोलति	अ
[illegible]	१०	समाजे उच्छ्राये	पुलयति तृणं कृषाणः	क
[illegible]	१	पुष्टौ	पोषति देहं	
[illegible]	४	पुष्टौ	पुष्यति	य क औ
पुष	९	पुष्टौ	पुष्णाति देहं मुनी.	ग
पुष	१०	[illegible]	पोषयति कायं कुमारः	क
पुस्त	४	विहं मने	पुस्तति कलिका प्रात	य
			पुष्पं	
पुष्प	४	विकसने प्रकाशे	पुष्प्यति	य ए.

धातु.	गण.	अर्थ	उदाहरण.	अनुबन्ध.
पुस	१०	मर्दे—अभिवर्द्धनेच	पुसयति	क
पुस्त	१०	आदरानादरयोः	पुस्तयति धनं पुस्तकं	क
पू	९	न्वो (त०) पवने	पुनाति (वा) पुनीते विश्वं गंगा	ग ञ गि
पू	१	पवने	पवते गगा पवन	ङ
पू	४	पवने	पूयते	य ङ
पूय	१०	सघाते	पूय्पयति	क
पूज	१०	पूजाया	पूजयति गुरुं शिष्यः पूजा	क
पूण	१०	सघाते	पूणयति	क
पूय	१	विशरेण दुर्गंधेच	पूयते मृतक.	ई ङ
पूर	४	आप्यायने	पूर्यते जलेन तरु.	य ई ङ
पूर	१०	आप्यायने	पूरयति धनैर्याचक कर्ण	क
पूर्व	१०	निकेतने	पूर्वयति	क
पूर्वे	१०	निकेतने	पूर्वयतिगृही	क
पूल	१	सघाते	पूलति तृणानि	
पूष	१	वृद्धौ	प्रतिक्षणं पूषति यस्य विक्रम	
पृज	२	वर्णे	पृङ्क्ते	ई ङ ल
पृ	९	प्रीतौ	पृणाति माधुरनिर्धीन्	न

धातु	गण	अर्थ	उदाहरण.	मनुब
पृ	६	व्यायामे	धर्मे व्याप्रियते साधु व्यापारः	शा ह
पृ	१०	पूरणे (त०) पालने	पारयति पयसा कलशं	क
पृ	३	पालनपूरणयो	पिपर्ति पुत्रं धनेन पिता	ति
पृच	१ १०	संयमने (त०) संपर्के	पर्चति (वा) पर्चयति	ति
पृच	२	संपर्के	पृक्ते मातृभि साधु	ल ह ह
पृच	७	संपर्के	पृणक्ति न केनापि सति	ध ह
पृज	२	संपर्के	पृक्ते	ल ह ई
पृन	१	गतौ	प्रवते	अ ह
पृड	६	सुखे	पृडति धर्मो लोक	श
पृण	६	प्रीणने	पृणति हरि भक्त्या पुरुषम्.	श
पृथ	१०	प्रक्षेपे	पृथयति	क
पृष	१	सेके	पर्षति	उ
पॄ	९	पालनपूरणयोः	पृणाति [illegible]	ग नि नि
पॄ	३	पालनपूरणयोः	पिपर्ति	नि
पॄ	१०	पूरणे	पारयति	क
पेल	१	गमनादिषु	पेलति	अ
पेष	१	[illegible]	पेषते	उ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
पेव	१	सेवने	पेवते	ङ इ
पेस	१	गतौ	पेसति	ङ
पै	१	शोषणे	पायति हिमेन वृक्षः	
प्यै	१	वृद्धौ	प्यायते	ङ
प्याय	१	वृद्धौ	प्यायते	इ ओ ङ
प्युष	४	भाग—दाहे	प्युष्यति	य इर्
प्युष	१०	उत्सर्गे	प्युषयति	क
प्रच्छ	६	जिज्ञासायां	पृच्छति गुरुं शिष्यः	श ओ
प्रथ	१	प्रख्याने	प्रथते विद्यया कविःप्रथा	म ष ङ
प्रथ	१०	प्रक्षेपणे (त०) ख्यातौ	प्राथयति	क
प्रस	१	विस्तारे, प्रसवे	प्रसते परगुणं साधुः	ङ
प्रा	२	पूरणे	प्राति जलेन घटं	ल
प्री	९	तर्पणे—कान्तौच	प्रीणाति (वा) प्रीणीते पितर पुत्र. प्रीतः ता. न प्रीतिः	श ङ
प्री	४	प्रीतौ	प्रीयते धर्मसाधु. प्रीतः. ता, तं, प्रीतिः	य ङ
प्री	१०	तर्पणे	प्राययति (वा) प्रायय-ते देवतां हविषा यज्वा प्रीणयति	क न

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
प्री	१	तर्पणे	प्रयति (वा) प्रयते	य
प्रु	१	गतौ	प्रवते	ङ
प्रुष	१	दाहे	प्रोषति	उ
प्रुष	९	स्नेहनमोचनपूरणे-दाहेच	प्रुष्णाति पुत्रं पिता-विप्रुपविप्रुष्	ग
प्रोथ	१	पर्य्याप्तौ	प्रोथति (वा) प्रोथते-नार्जुनाय-कर्णः	ऋ ङ
प्लस	१	भक्षणे	प्लसति (वा) प्लसते प्लसः	ञ
प्लव	१	गतौ	प्लवते प्लवः	ङ
प्ली	९	गतौ	प्लीनाति	ग
प्लिह	१	गतौ	प्लेहते	ङ
प्लु	१	गतौ	प्लवते प्लवः	ङ
प्लुष	१	दाहे	प्लोषति	ऊ
प्लुष	४	दाहे	प्लुष्यति गात्रं ज्वरेण प्लुष्टः, टा, टं, प्लोष.	य ल
प्लुष	९	स्नेहनमोचनपूरणेपु दाहेच	प्लुष्णाति प्लुष्	ग
प्लुस	४	दाहविभागयो·	प्लुस्यति	य इ
प्लेव	१	सेवने	प्लेवते	ऋ ङ
प्सा	२	भक्षणे	प्साति	ल

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
			स्तट:	ण
फक्क	१	नीचैर्गतौ	ति	
फण	१	नि स्नेहे	ते (वा) फणयति	
फण	१	गतौ	सर्पे यच. फाणय- ते दुग्धं	मिण
			वंति तमसा निशा	
फर्व	१	पूरणे	ड	क
			लयति	न
फल	१०	मंगले	ति	
फल	१	गतौ सज्जनेन	ति धर्म	
फल	१	निष्पत्तौ	ति	फाल त्रि आ
फल	१	विदारणे	ल्लति कलिका	:
फुल्ल	१	विकसने	फल्लति फेला	क्ष
फेल	१	गतौ	ति	म
फुल्ल	१	जीवने	वंकते	इ ह
बक	१	गतौ	चित्त स्वल बक	ई ह
बक	१	कौटिल्ये	बाजयतियोद्धा बाज	क
बज	१०	मार्गणसंस्कारे	बाजितः	
			टयति धनं भ्राता	क इ
बट	१०	वंटने	बटति	
बट	१०	पेलगे	ते	
बण	१	शब्दे		

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
बद	१	स्थैर्ये	बदति	
बध	१	बन्धने, निद्रायांच	बधते बीभत्सते पापंसाधु बीभत्सा	ङ
बध	१०	संयमने	बाधयति न केशान् द्रौपदी	क
बन	८	याचने	बनुते	इ उ ङ
बन्ध	९	बन्धने	बध्नाति कृष्णं माता	ग औ
बन्ध	१०	बन्धने	बन्धयति	क
बभ्र	१	गतौ	बभ्रति	
बम्ब	१	गत्यां	बम्बति	
बर्ब	१	गत्यां	बर्बति	
बर्ह	१	वधो दीप्तौच	बर्हति	
बर्ह	१	स्मृतिहिंसा दानवाक्षु	बर्हते	ङ
बर्ह	१	श्रेष्ठे	बर्हते	ङ
बल	१	दानवधनिरूपणेषु	बलते	ङ
बल	१	धान्यावरोधे जीवनेच	बलति	ञ
बल	१०	भूतौ-प्राणनेच	बलयति बालपिता	क
बल	१०	निरूपणे	बलयते	क ङ
बल्ह	१	श्रेष्ठे	बल्हते	ङ

धातु.	गण	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
वर्ह	१	स्मृतिहिंसा दान-याशु	वर्हते	उ क
वल्ह	१०	हिंसि(म०)भाषार्थ	वल्हयति भान	क
वस्न	१०	अनादृत्याहत्योः अदैनेन	वस्नयति	इ ई
वह	१	वृद्धौ	वहते	ऋ इ
बाध	१	विलोडने	बाधते	ई
बिद	१	अवयवे	बिंदति	ना क
बिल	६-१०	भेदने क्षेपणे	बिलति (वा) बेलयति	प इर्
बिस	४	क्षेपे	बिस्यति बीजं	इ
बीज	१	गतौ	बीजते	
बुक्क	१-१०	भषणे	बुक्कति (वा) बुक्कयति आ बुक्क	क
			बुक्कयति	कि
बुक्क	१०	व्यसने	बोटति (वा) बोटयति	दा दि
बुट	१-१०	हिंसे		
बुड	६	संवरणे (म०) उत्सर्गे	बुडति	
बुद	१	निशामने	बोदति (म०) बोदते	इर् उ अ
बुध	१	बोधने	बोधति (वा) बोधते दाखं	इर् ञ अ
बुध	१	अवबोधने	बोधति दाखं बाध प्र बोध.	ओ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
बुध	४	अवगमने बुभुक्षायांच	बुध्यते (अथवा) बुध्यति	य औ
बुन्द	१	निशामने	बुंदति (वा) बुंदते	इर् उ ञ
बुन्ध	१	निशामने	बुन्धति (वा) बुन्धते	इर् उ ञ
बुन्ध	१०	बन्धे	बुन्धयति	क
बुल	१०	मज्जने	बोलयति	क
बृह	६	उद्यमे	बृहति वैश्यः बृहती बर्हिः	श उ
बृ	——	—— ——	(इति बृ)	——
ब्युस	४	हानौ	ब्युस्यति	य इर्
ब्रण	१	शब्दे	ब्रणति	——
ब्रू	२	व्यक्तायां वाचि	ब्रवीति (वा) ब्रूते	ल ञ
ब्रूस	१०	हिंसायां	ब्रूसयति व्याघ्रश्चौरं	क
भक्ष	१	भक्षणे	भक्षति (वा) भक्षते	ञ
भक्ष	१०	अदने	भक्षयति	क
भज	१	सेवायां	भजति (वा) भजते विष्णुंबुधः भागः, भक्ति	ञ औ
भज	१०	विश्राणने पाके च	भाजयति मंत्रिणे राज्यं राजा	क
भज	१०	भाषार्थे–भासि	भंजयति	क इ
भञ्ज	७	आमर्दने	भनक्ति पादपं दन्ती भंगः	ध ओ औ
भट	१	परिभाषणे	भटति	म

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
भट	१	भृतौ	भटति भृत्यं भटः	
भट	१०	मनारणे	भंटयति बाल भटक	क ई
भड	१	परिहासे	भंडते	इ ङ
भड	१०	शिवे	भंडयति	क इ
भण	१	शब्दे	भणति	अ
भद	१	सुप्रीत्यो शुभे कल्याणे सुखेच	भन्दते	इ ङ
भद	१०	शुभे	भद्यति	क ई
भर्भ	१	हिंसायां	भर्भति	
भर्व	१	हिंसायां	भर्वति	
भर्त्स	१०	तर्जने	भर्त्सयते	क ङ
भल	१०	निरूपे-आभडनेच	भलयते	क ङ
भल	१	परिभाषणे-हिंसा-या-दानेच	भलते भाल	ङ
भल्ल	१	परिभाषणे-हिंसा-यां-दानेच	भल्लते भल्ल	ङ
भष	१	भर्त्सने	भषति श्वा भषक	
भस	३	भर्त्सनदीप्त्यो	बभस्ति दुर्बल दुष्ट	लि र
भा	२	दीप्तौ	भाति सूर्य भानु	ल प
भाज	१०	पृथक्कर्मणि	भाजयति धन भ्राता विभागः	क त

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
भाम	१	क्रोधे	भामते मूर्खः भामिनी	इ
भाम	१०	क्रोधे	भामयति	क क त
भाष	१	व्यक्तायांवाचि	भाषते भाषा	ऋ इ
भास	१	दीप्तौ	भासते विद्यया विप्रः	ऋ इ
भिक्ष	१	याच्ञायां	भिक्षतेऽन्नं भिक्षुः भिक्षा भिक्षु	इ
भिद	७	विदारणे	भिनत्ति (वा) भिन्ते दधिभाटं कृष्ण., भेदः	इर् औ
भिड	१०	भेदने	भेडयति	क
भिषज्	११	चिकित्सायां	भिषज्यति भिषक्	ट
भिष्णज्	११	उपसेवायां	भिष्णज्यति	इ
भी	३	भये	बिभेति पापात् भय	ञि
भीम	१	गतौ-शब्दे च	भीमति	ऋ
भुज	६	कौटिल्ये	भुजति भुग्नं	ना औ औः
भुज	७	पालनाभ्यवहारयोः	भुनक्ति भक्तं हरिः भुंक्ते फलं कृष्णः भोग	प ञ औ
भुड	१	भरणे	भुंडते कपर्दं	इ ब
भू	१	सत्तायां	भव शिवो भवति	
भू	१-१०	प्राप्तौ	भवते (वा) भावयते भोगं ज्ञानी	णि इ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
भू.	१०	अवकल्कने शुद्धिमिश्रणयोः	भावयति वेदार्थं वैदिक भावना	क
भूष	१-१०	अलंकारे	भूषति (वा) भूषयति भूषण	कि
भृ	१	भरणे	भरति (वा) भरते भिक्षुदर	अ दु इ
भृ	३	धारणपोषणयोः	बिभर्ति धरां वासुकि (स०) बिभर्ति	नि डु दु ञ
भृज	१	भर्जने	भर्जते	ङ ई
भृड	६	निमज्जने	भृडति गंगायां गालिव	श
भृश	१०	शौर्ये	भृशति (वा) भृशयति	इ णि
भृश	४	अध पतने	भृश्यति भ्रमरी	य इर् उ
भॄ	९	भर्त्सने भृर्ती भृत्नि	भृणाति कुपुत्र पिता	श नि
भेष	१	भये	भेषति (वा) भेषते पारसात्	यङ् म
भ्यस	१	भये	भ्यसते	ङ
भ्रक्ष	१	अदने	भ्रक्षति	
भ्रण	१	शब्दे	भ्रणति	
भ्रम	१	चलने	भ्रमति तीर्थे मुनिः	ज ण उ
भ्रम	४	अनवस्थाने	भ्राम्यति लुब्ध भ्रम। भ्रान्तः लान्तं भ्रान्ति	य भ ञ ण उ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
भ्रंश	१	अवस्रंसने	भ्रंशते भ्रष्ट-ष्टा-ष्ट	ट र ल
भ्रंश	४	अधःपतने	भ्रंश्यति वृक्षात्पत्रं भ्रंश	ट इ उ
भ्रस्ज	६	पाके	भृज्जति (वा) भृज्जते भृष्टं	श ज औ
भ्रंस	१	अवस्रंसने	भ्रंसते	ङ
भ्राज	१	दीप्तौ	भ्राजते	ङ
भ्राज	१	दीप्तौ	भ्राजते	भ्राजयुः इ ण ऋ इ
भ्राश	१	दीप्तौ	भ्राशते	ऋ ग ङ क
भ्राम	—	—	(इतिभ्रम)	
भ्री	९	भरणे (त.) भये	भ्रीणाति नारी भर्त्ता	ग गि
भ्रुड	६	संवृतिसंहत्योः	भ्रुडति	श गि
भ्रूण इ. नि भ्रूण	१०	आशायां (त.) विशंकायां	भ्रूणयते पुत्रं वंध्या	क इ
भ्रेज	१	दीप्तौ	भ्रेजते	ऋ ङ
भ्रेष	१	चले भये	भ्रेषति (वा) भ्रेषते	ऋ ञ
भ्लक्ष	१	अदने	भ्लक्षति	
भ्लाश	१	दीप्तौ	भ्लाशते	ऋ ण ङ इ
भ्लास	—	—	(इतिभ्लाश)	
भ्लेष	१	गतौ	भ्लेषति	ऋ
मक	१	मंडने	मकते स्नानं कुंकुमेन	क इ
मक	१	गतौ	मंकते	ङ इ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
मङ्क	१	गती	मङ्कते	ङ
मक्ष	१	संघाते	मक्षति मक्षिकास मक्षिका	
मख	१	गती	मखति	
मग	१	गती	मगति	इ
मग	१	सर्पणे, गत्याँष	मङ्गति	इ
मगध	११	परिवेष्टने नीचदास्येच	मगध्यति नीचः	ट
मघ	१	भूषे	मघति	इ
मघ	१	कैतवे गतौ आ-क्षेपेच	मघते कितवो द्यूतेन	ङ इ
मच	१	कल्कने	मचते मूर्खः	ङ
मच	१	धारणे उच्छ्रायपू-त्यर्थाभा'सु	मचते माल्य कंठे मभ्रः	इ ङ
मञ्ज	१	गत्यां	मञ्जति	
मञ्ज	१०	शृजाच्छनयोः	मञ्जयति	
मठ	१	निवासे, मर्दने	मठति मठ	
मठ	१	शोके	मंठते	इ ङ
मड	१०	भूषे	मंडयति (वा) मंडति मड्डाति	कि ग इ
मड	१	वेष्टने (त०) विभागे	मंडते	इ ङ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
मह	१	पूजायां	महति	
मह	१०	त्विषि	महयति	क
मह	१	वृद्धौ	महते	इ
मह	१०	पूजायां	महयति	क
मा	२	माने	माति देहेन भूमि—प्रमाणं	ष
मा	३	माने शब्दे च	धर्मं मिमीते मुनिः	लि
मा	४	माने	मायते	य
माक्ष	१	कांक्षायां	माक्षति	इ
माड	१	माने	माडति (वा) माडते-स्वर्ण—माडुः	ऋ
माथ	१	कुंथे	माथति	इ
मान	१	पूजायां जिज्ञासायां च	मीमांसते शास्त्रं बुधः—मीमांसा	
मान	१०	पूजायां	मानयति	क
मान	१	पूजायां	मानति	
मार्ग	१०	संस्कारसर्पयोः	मार्गयति	क
मार्ग	१-१०	अन्वेषणे	मार्गति (वा) मार्गयति	कि
मार्ज	१०	शब्दे (तथा) पूजायां	मार्जयति—मार्जारः	क
माह	१	माने	माहति (वा) माहते	ऋ उ न

धातु.	गण.	अर्थ	उदाहरण.	अनुबन्ध
मि	५	प्रक्षेपणे	मिनोति (वा) मिनुतेतृणं वायु	न अ हु
मिङ	६	भाषे, उत्क्लेशे च	मिच्छति	
मिन	१०	ईर्षा	मिंजाति (वा) मिंजयति	श
मिथ	१	मेधे, मेधायां च	मिथति	इ कि
मिद	१०	स्नेहने	मिंदति (वा) मिंदयति.	म न
मिद	१	गर्वे	तुपने मेदति	इ कि
मिद	४	स्नेहने	मेद्यति, मेदः, मेद, मेदस्	
मिद	१	स्नेहने	मिदेन पुष्टे विना	य ल
मिद	१०	स्नेहने	मेदयति	आ नि क
मिद	१	मेधाहिंसनो	मिदते (वा) मेदति देव ग्रह	क
मिथ	१	मेधाहिंसयोः	मेथति (वा) मेथते	म न
मिश्र	१०	संपर्के.	मिश्रयति घृतेनान्नं गन	अ ऋ
मिल	६	मेरणे	मिलति (वा) मिलते नभ्र्यु माघु मेघकः	क त
मिष	१	सेके	मिषति	श म
मिश	१	शब्दे	मेशति	इ
मिष	१	सेचने	मेषति	
मिष	६	स्पर्धायां	मिषति कृष्णं शिशुपालः	उ श

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
मिह	१	सेचने	मेहति मेहः—प्रमेह.-मेहन	औ
मी	१-१०	गतौ मत्या च	मयति (वा) माययति	कि
मी	४	हिंसायां	मीयते मीन	य ङ ट्ट
मी	९	हिंसायां	मीनाति (व) मीनीते रिपुं	ग ञ
मीम	१	गतौ	मीमति	ऋ
मील	१	निमेषणे	निमीलति भिया नेत्रं	ऋ
मीव	१	स्थौल्ये	मीवति	
मुच	१०	प्रमोचने मोदने च	मोचयति कंचुकं सर्पः	क
मुच	६	मोचने	मुञ्चति (वा) त्वामुंचते देहं निरक्तः	श ष ञ लृ औ
मुच	१	कल्कने	मोचते	ङ
मुच	१	कल्कने	मुञ्चते	इ ङ
मुंच	१	गत्यां	मुंचति	
मुज	१०	मृगाध्वनयोः	मोजयति	क
मुज	१	शब्दे-मृजा ननयोः	मुंजति मुंजः	क इ
मुट	१	मर्दने	मोटति तरुं गजः	
मुट	१	मर्दे	मुंटति	इ
मुट	६	आक्षेपप्रमर्दनयोः	मुटति कालीयस्य दर्पं कृष्णः	श शि

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
मुट	१।१०	प्रमर्दने	मोटति (वा) मोटयति पाना शिल्पया	कि
मुड	१	मज्जने	मुंडते	इ ट
मुड	१	मुंडने	मुंडते मुड मुंडन नापित	इ ञ
मुड	१	मर्दने	मुंडति मुड मुंडी	इ
मुड	१	मज्जे	मुंडते	इ ट
मुड	१०	मर्दने	मोडयति	फ
मुण	६	प्रतिज्ञाने	मुणति नियम मौनी	श
मुथ	१	बंधे	मुथति	इ
मुद	१	हर्षे	मोदते महात्मा कवि – आमोद	गि ङ
मुद	१०	संसर्गे	मोदयति गुडेन धान्यं नारी, मोदकः	फ
मुर	६	संवेष्टने	मुरति कंटकेन वाटीं कृषक मुर, मुरा	श
मुर्छ	१	मोहसमुच्छ्राययोः	मूर्छति मुमूर्छ सहसं रा- मस्य	आ
मुर्व	१	बन्धने	मूर्वति	इ
मुष	१	स्तेये	मोषति	
मुष	४	खंडने–छिदि	मुष्यति	य इर्
मुष	९	स्तेये	मुष्णाति धनं चोरः	ग

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
मृड	९	गे	मृड्नाति गिरा शुकः	ग
मृण	६	हिंसायां	मृणाति रिपु मृणाल	श
मृद	९	क्षोदे	मृद्नाति कलिनी गज- विमर्द	ग
मृध	१	उंदे	मर्धते (वा) मर्धति मृध	
मृश	६	आमर्शने	मृशति गुरुचरणं साधु- परामर्शः.	श औ
मृष	१	सेके	मर्षति	उ
मृष	१	सहने	मर्षते दोषं हरिः	ङ
मृष	१-१०	तितिक्षायां	मर्षते (वा) मर्षयते	ञि ङ
मृष	४	मार्गे	मृष्यति (वा) मृष्यते	य ञ
मृष	१०	क्षांतौ, मर्षने च	मर्षयति	क न
मॄ	९	वधे	मृणाति	ग शि
मे	१	विदाने	मयते–तिङ्प्रणियं–निमि- मय नैमेय निमया ने- मय. निमयः	ङ
मेट	१	दि	मेटति धेनन नीथः	
मेड	१	-मादे	मेडति	ऋ
मेथ	१	मे मेधायां वधे च	मेथति	म्हु ञ
मेद	१	धारहिंसयोः	मेदति (वा) मेदते मेद	म्हु ञ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
मेघ	१	मगमे वधे	मेथति (वा) मेथते स-म्यामम्यायं मेधा, मेधः	ऋ ऋ
मेधा	११	आशुग्रहणे	मेधायति	ट
मेप	१	गत्यां	मेपते	ङ ऋ
मेव	१	सेवने	मेवते	ऋ ङ
मोक्ष	१ १०	असने	मोक्षति (वा) मोक्ष यतिदारकृत्य	कि
म्ना	१	अभ्यासे	मनति वेदं शिशुः आ-म्नाय	
म्रक्ष	१	संघाते	म्रक्षतिजेनाग्नं	
म्रक्ष	१०	म्रक्षणे म्लेच्छने च	म्रक्षयतिरनपादैरेकृत्य	क
म्रच	१	गतौ	म्रचति	
म्रद	१	उन्मादे	म्रदति	ऋ
म्रद	१	मर्दने-क्षोदे च	म्रदते वस पथो	ट
म्रुच	१	स्त्या	म्रोचति	इर् उ
म्रुच	१	गतौ	म्रुचति	
म्रट	१	उन्मादे	म्रटति पीनेन मीन	क
म्लुच	१	गतौ	म्लुचति	
म्लुंच	१	गतौ	म्लुंचति	इर् उ
म्लेच्छ	१-१०	अव्यक्तायांवाचि अ-स्पष्टे च	म्लेच्छति (वा) म्लेच्छयति म्लेच्छ.	कि

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
म्रेट	१	उन्मादे	म्रेटति धनेन नीचः	ऋ
म्रेड	१	उन्मादे	म्रेडति	ऋ
म्लेव	१	सेवने	म्लेवते	आ ङ
म्लै	१	कान्तिसंक्षये	म्लापयति, उपम्लापयति, प्रम्लापयति	
म्लै	१	गात्रविनामे	म्लायति पुष्पं तापेन म्लानि	
यक्ष	१०	पूजायां	यक्षयते	क इ
यज्	१	देवपूजासंगतिकरणदानेषु	यजति हरिं–यजति साधुं साधु यजुना शिष्यमेनं	ए. औ ञ
यत	१	प्रयत्ने	यततेमुमुक्षवः.	इ ङ
यत	१०	निकारोपस्कारयोः	यातयति शत्रुंवशी–यातयति ध्यानेन देहं यतिः	क
यभ	१	मैथुने	यभति	
यभ	१	मैथुने	यभति	औ
यम	१	उपरमे	यच्छति पापात्साधुः	औ ट
यम	१	परिवेषणेऽष्टने	यामयत्यन्नं विप्राय साधु–यमयति विप्रान्भोज्यं राजा	क
यन्त्र	१०	संकोचने	यन्त्रयति यन्त्रेण यन्त्रं राजा–यन्त्रं	क इ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
यस	४	प्रयत्ने	यस्यति धनाय नरः-प्रयासः	य उँ इर्
या	२	प्रापणे, गतौ च	याति	ल
याच	१	याञ्चायां	याचति (वा) याचते धनं याचकः	ऋ टु डु अ
यु	२	मिश्रणामिश्रणयोः	यौति घृतेनान्नं यौति रज्भ्यः साधुः-यवः याव.	ल
यु	९	बंधे	युनाति (वा) युनीते	ग अ
यु	१०	जुगुप्सायां	यावयते वृद्धं युवतिः यौति	क इ
युग	१	वर्जने	युंगति	
युछ	१	प्रमादे	युछति	ई
युत	१-१०	संयमने	योतति (वा) योतय ति इन्द्रे वृषं गोव.	कि
युज	७	योगे	युनक्ति (वा) युंक्ते यो गयोगी योगः	ग अ इर् औ
युज	४	समाधौ	युज्यते गुहायां योगी	ग इ औ
युज	१०	निन्दे	योजयते	क इ
युत	१	भासने	योतते	ऋ इ
युध	४	संप्रहारे	युध्यत योध. — युद्धं	ग इ औ
युप	४	व्याकुलत्वे	युप्यति	ग इर्

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
यूष	१	हिंसायां	यूषयते	क इ
येष	१	प्रयत्ने	येषते	भ्र इ
यौट, यौ-ट, यौड	१	संबंधे	यौटति (वा) यौटति रामणी कृष्ण.	भ्र
रक	१०	आस्वादने (प-पा) आपने	राकयति मोदक बाल	क
रक्ष	१	पालने	रक्षति, रक्षा	भ्रि
रख	१	गत्यां	रखति	
रग	१	गत्यां	रग्गति	इ
राक्ष	१	शोषणाऽसमर्थयोः	राक्षति हिमेन वृक्षः	भ्र
रग	१०	स्वादे आप्तौ च	रागयति	क
रग	१	शंकायां	रगति साधु —देवदत्त	म ए
रग	१	गतौ	रंगति	इ
रघ	१०	भाषि	रंघयति	क इ
रघ	१	गतौ	रंघते रघु	क इ
रघ	१०	आस्वादने	राघयतिलंकेशकुमार:	क
रच	१०	प्रतियत्ने, कृत्यां	रचयति	क त
रंज	१	रागे	रजति (वा) रजतेयु-वायुवनौ (यथा) रज-कः-रागः-रक्तः-रागं	म आ ञ

धातु.	गण	अर्थ	उदाहरण.	अनुबन्ध
राश	४	शब्दे	राश्यति पक्षी	य ङ म
रास	१	शब्दे	रासते	ऋ ङ
रि	९	हिंसायां	रिणाति मलिम्लुचः पांथं	न
रि	६	गतौ	रियति	श
रिंग	१	गतौ	रिंगति रिंगणं	इ
रिच	१-१०	वियोजनसंपर्चनयोः	रेचति (वा) रेचयति राज्यं रिपोः रेचयति हरिः क्षयरोगी	कि
रिच	७	विरेचने	रिणक्ति (वा) रिंक्ते रोगी-विरेकः	धनइर्औ
रिज	१	ऋज्यर्थे	रेजते	ङ
रिफ	६	कत्थनयुद्धनिंदाहिंसादानेषु	रिफति रिपुं शूरः—रेफः-फा-फ	श
रिम्फ	६	वधे	रिम्फति	श ए
रिव	१	गतौ	रिवति	इ
रिश	६	हिंसायां	रिशति	श औ
रिष	१	हिंसायां	रेषति	
रिप	९	विप्रयोगे	रिप्णाति संन्यासी संबंधिभ्यः—	प
रिह	६	कत्थनयुद्धनिंदाहिंसादानेषु	रिहति दुर्जनः साधुं	श

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
री	४	स्रवणे	रीयते जलं घटात्	य इ औ ग
री	९	रेषणे वधे गतौ च	रिणाति	ग गि
री	९	ममनने	रेति नारी	ए
रु	२	शब्दे	रौति	ल ट
रु	१	रोषे, वधे, गत्यां च	रवते चौरायगजा—रवः रविः	ङ
रुक्ष (वा) रूक्ष	१०	पारुष्ये	रूक्षयतिवृक्षः रूक्ष.—रूक्षं	क त
रुच	१	दीप्तौ प्रीतिप्रश्रा दीप्तौ	रोचते गोरोचना	ल ङ
रुज	६	रोगे, भंगे, भंग च	रुजति रोगेन हस्तः	श ओ औ फ
रुज	१०	हिंसे	रोजयति	
रुट	१	प्रतिघाते (त) दीप्तौ	रोटते	ल ङ
रुट	१०	रुषि शुद्धौ च	रोटयति	क
रुट,रुण्ट	१	स्तेये	रुंटति धनं	इ
रुठ	१	उपघाते	रोठति वल्मिधेमं	
रुठ	१	प्रतिघाते	रोठते	घट ङ
रुठ	१	गत्यालस्यासिय-नेटि	रुंठति	इ
रुद	२	अश्रुविमोचने	रोदिति रोदन	स व इर्

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
लघ	१	शोषणे—गर्ता	लंघति मर्यादां लंघति पापी	इ
लघ	१०	भाषार्थे—दिवपि	लंघयति	क इ
लछ	१	लक्षणे	लछति चक्रेण गृहं	
लज	१०	अन्तर्धौ	लजयति	क
लज	१०	भानिकेतनहिंसाबलदानेषु	लजयति	क इ
लज	१०	प्रकाशने	लजयति विद्यां विप्रः	क त
लज	१	भर्त्सने	लजति	
लज	१	भर्त्सने	लजति	इ
लज	६	व्रीडे	लजति (व) लजते शा ज इ ओ	
लंज	१०	भासने	लंजयति	क त
लट	१	बाल्ये वाल्योक्तौ	लटति स्वार्थे लोकः	
लड	१	विलासे	लडति	
लड	१	जिव्होन्मथने	लडयति रसनां परद्रव्ये चोर.	म
लड	१०	उपसेवायां	लडयति शिशुं माता	क
लड	१०	वाग्मायां	लडयते	क ङ
लड	१-१०	भाषणे भासनेच	लंडति (वा) लंडयति	कि इ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
लड	१-१०	उत्क्षेपे	लडति (वा) लडयति.	कि इ ओ
लड	१०	आक्षेपे	लडयति	क त
लप	१	व्यक्तायांवाचि	लपति विलाप प्रलाप आलाप अनुलाप विप्रलापः सल्लाप सुप्रलाप अपलाप	अ
लब	१	अवस्रंसन अवलंबने शब्दन	लबते दाम्बाया	इ इ
लभ	१	शब्दे	लभते	ई क
लभ	१	प्राप्तौ	लभते भिक्षां लाभ सुलभ भा भ लभति पुनरुत्थान	ऊ प डु ओ
लग	१	गतौ	लगते	इ
लर्ब	१	गतौ	लर्बति शकटेन गोकुलात् मथुरानंद	
लल	१०	ईप्सायां	लालयते सुत बाला	क इ
लस	१०		(इतिलस)	
लष	१	कान्तौ	लषति (वा) लषते धर्मं साधु	अ
लष	४	कान्तौ	लष्यति (वा) लष्यते	य न
लष	१०		(इतिलष)	

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
लस	१	श्लेषणक्रीडनयोः	लसति विलसति विलास	
लस	१०	शिल्पयोगे	लासयति नटी बालां	क
लस्ज	६	व्रीडे	लज्जते वधुः लज्जा लज्जि त—ता—त	श इ ई ओ
ला	२	दाने आदानेच	लाति	ल
लाख	१	शोषणालमर्थयो	लाखति हिमेन वृक्ष.	ऋ
लाघ	१	सामर्थ्ये	लाघते	ऋ ङ
लाछ	१	लक्षणे	लाछति	इ
लाज	१	भर्त्सने भर्जेच	लाजते	इ ङ
लाज	१	भर्त्सने भर्जेच	लाजति	
लाट	११	जीवने	लाट्यति जीवजातमंबमा	ट
लाड	१०	आक्षेपे	लाडयति	क त
लाभ	१०	प्रेरणे	लाभयति लाभाय मूर्त विद्य लाभ	क त
लिख	१	गतौ	लेखति	
लिख	६	लेखने	लिखति लेखको ग्रंथं ले- खनं लिखनं लेखा लिखनो	श
लिग	१	गतौ	लिंगति	इ
लिग	१	चित्रीकरणे	लिंगयति पटं रंगकारः	क इ
लिट	११	अल्पकुत्सनयोः	लिट्यति पितरिपुत्रः	ट

[illegible]ु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
[illegible]	१	उपदेशे	[illegible] (वा) [illegible] [illegible] [illegible]	[illegible]
[illegible]	१	गतौ	[illegible]	[illegible]
[illegible]	४	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	२	[illegible]	[illegible] (वा) [illegible]	[illegible]
[illegible]	१ १०	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	४	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	९	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	१	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	१०	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	१	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	४	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	१	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	६	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	१०	[illegible]		

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
लुट्	१	स्तेये	लुंटति धनं	इ
लुंट	१-१०	स्तेये (त०) अवज्ञायांच	लुंटति (वा) लुंटयति	कि
लुठ	१	उपघाते	लोठति कश्चिद्धर्मं	
लुठ	१	प्रतिघाते	लोठते विरहेण भूमौ राम	ऌ ङ
लुठ	६	लोठे	लुठति	श ङि
लुठ	१०	चौर्ये	लोठयति	क
लुठ	१	आलस्ये (त.) गत्यालस्यस्तेयक्रोटेषु	लुंठति	इ
लुड	१	मन्थने	लोडति	
लुड	६	संवृतौ, श्लिषे	लुडति	श ङि
लुण्ड,लुड	१०	चौर्ये	लण्डयति	क
लुथ	१	हिंसासंक्लेशयोः	लुन्थति रावणं रामः रावणशरेण रामो न लुन्थति	इ
लुप	४	व्याकुलत्वे	लुप्यति	य ई र
लुप	६	छेदने	लुंपति (वा) लुंपते काष्ट वर्द्धकिः लोपः लुप्ता तं	श प अ क ऌ औ
लुब	१-१०	अर्दने–अदर्शने	लुंबति (वा) लुंबयति	कि इ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
लुभ	४	गार्ध्ये	लुभ्यति पुत्रवंध्या लोप लुब्धः धा धं	य
लुभ	६	विमोहने	लुभति गुरं मायिक.	श
लुप,लूप	१०	हिंसायां (म०) स्तेये	लोपयति	क
लुप,लुप	१	स्तेये, भूपायाम्	लोपते	इ ओ
लुह	१	गार्ध्ये	लोहति	
लू	९	छेदने	लुनाति (वा) लुनीते	ग जि ण
लूंख	१	अपनयने	लूंखति	
लेख	११	विलासिस्खलनेच	लेख्यति धूर्तो मनसि	ट
लेला	११	विलासे मूत्रलनेच	लेलायति द्विजोऽतिभोजने	ट
लेट	११	धौर्त्ये–पूर्वभावेस्व नेच—	लेटयति कामुकः प्रियया सभायां	ट
लेप	१	गमने सेचने च	लेपते	इ
लेला	११	दीप्तौ	लेलायति	ट
लोक	१	दर्शने	लोकते	ऋ ङ
लोक	१०	भाषार्थे दीप्तौच	लोकयति	क ङ ऋ
लोच	१	दर्शने	लोचते	घ् ङ
लोच	१०	भाषार्थे दीप्तौ	लोचयति	क घ्
लोट	१	उन्मादे	लोटति	ञ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
लोट	११	धार्त्ये-पूर्वभावे	लोटयति धूर्तः	ट
लोष्ट	१	संघाते	लोष्टते धान्यं लोष्टः	ड
लौड	१	उन्मादने	लौडति	ऋ
ल्यी	९	श्लेषणे	ल्यीनाति	ग ङि
ल्वी	९	गत्यां	ल्वीनाति	ग ङि
वक	१	कौटिल्ये	वंकते वंक	इ ङ
वक्क	१	गतौ	वक्कते	इ
वक्ष	१	रोषे (रा०) सं-हतौ.	वक्षति शिभु वक्षः	
वख	१	गतौ	वखति	
वन्ख	१	गतौ	वंखति	
वग	१	गतौ-वंजेच	वंगति	इ
वघ	१	गतौ-गत्याक्षेपेच	वंघते	इ
वच्च	१	वाचि	वचति	इ इ
वच	२	परिभाषणे	वक्ति	औ
वच	१०	संदेशने	वाचयति पत्रं कृष्णाय रुक्मिणीवाचिकः	ऌ औ क
वच	१	एकचर्यायां	वंचते	इ इ
वंच	१	गत्यां	वंचति	उ
वंच	१०	प्रलंभने वंचनेच	वंचयते वंचना	क ▪
व्रज	१	गतौ	व्रजति	

धातु	गण	अर्थ	उदाहरण.	अनुबन्ध
वट	१	परिभाषणे	वटति	म
वट	१	वेष्टने	वटति वटकाने वाटी	
वट	१०	ग्रंथे	वटयति माल्यं माल्याकार वेष्टनं वाटयति	क त
वट	१०	विभाजने	वटयति भूमिं ग्रामिक	क त
वट	१ १०	विभाजने	वटति (वा) वटयति धन	क इ
वंट	१०	भागे	वंटयति	क त
वट,वठ	१	स्थौल्ये	वठति	
वठ	१	एकचर्यायां	वठते	इ ङ
वड	१०	विभागे	वडयति	क इ
वड	१	वेष्टने (न. । वि भागे	वडते वटकेशीर्षे	इ ङ
वण	१	शब्दे	वणति	ऋ ऐ
वद्	१	व्यक्तायांवाचि	वदति संवद्	
वद्	१-१०	भाषणे सन्देशवचने	वदते (वा) वादयते	कि ङ
वद्	१	स्थैर्ये	वदति मेरु	
वद्	१	अभिवादनस्तुत्यो	वन्दते हरिं वन्दना	इ ङ
वध	१	हिंसायां	वधति	
वन	१	हिंसायां	वनति	उ

धातु.	गण.	अर्थ	उदाहरण.	अनुबन्ध.
वन	१	संभक्तौ (त.) शब्दे	वनति	
वन	१-१०	उपकृतौ श्रद्धा यति शब्दे उपधा- नेच	वनति (वा) वनयति	कि
वन	१	व्यापृतौ	वनयति–परिउपसर्गे प- रिवानयति	म उ
वन	८	याचने	वनुते भिक्षु·	द ङ उ
वप	१	बीजतन्तुसंताने (तथा) मुण्डे	वपति बीजं सत्क्षेत्रे पटं- वपते तन्तुवायः उतः ना तं	दृ ऐ ओ अ
वम	१	उद्गिरणे	वमति शोणितं	टु उ न
वय	१	गतौ	वयते	ङ
वर	१०	ईप्सायां	वरयति वरं स्वयंवरा वरा·	क त
वरण	११	गतौ	वरण्याति	ट
वर्च	१	गत्यां	वर्चति	
वर्च	१	दीप्तौ	वर्चते	ङ
वर्ध	१०	छेदनपूरणयो	वर्धयति	क

ग.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
१०	वर्णक्रिया विस्तार-गुणवर्णने वचने प्रेरणेच	वर्णयति वर्ण	क त
१०	पूर्त्तिछेदे:	वद्धयाति	क
१०	भाषार्थे त्विपि	वर्हति (वा) वर्हयति	कि
१	श्रेष्ट्ये	वर्हते	ङ
१०	हिंसायां (न) दीप्तौ	वर्हयति वर्ह	क
१	गतौ	वभ्राति	
१	सवरणे	वल्ते धन	ङ
१	सवरणे	वल्ते वाल्हि वल्लभ	
१	भोजने	वल्भते	ङ
१०	भाषणे	वल्कयति वल्क वल्क	क
१	व्रजे	वल्गति	क त
११	पूजामाधुर्ययो.	वल्गुयति द्विमोऽतिवै-भेन	ट
१०	लूनिपूर्त्योः	वल्गुलयति	
१	लिपि	वल्हयति	ष
१	र्धैस्त्ये	वल्हते	ङ

धातु.	गण.	अर्थ	उदाहरण.	अनुरू[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

धातु.	गण.	अर्थ	उदाहरण.	अनुबन्ध.
वा	२	गतिगंधनयो गमनहिंसयो	वातिवायु	ऌ
वाक्ष	१	कांक्षायां	वाक्षति वाक्षा	इ
वाञ्छ	१	इच्छायां	वाञ्छति वाञ्छा	इ
वाड	१	आप्लावे प्रीतौ च	वाडते गंगायां मुनि च स्नाति	ऋ ङ
वात	१०	सुखसेवनयो गतौ	वातयति व्यजनेन पति पतिव्रता	अ न
बाध,वाध	१	विलोडने	बाधते मार्गं जल बाधा	आ ङ
वाश	४	शब्दे	वाश्यते	य ऋ ङ
वास	१०	उपसेवायां	वासयति गृहं धूप	अ न
वाह	१	प्रयत्ने	वाहते वाहा	ऋ ङ
विच	७	पृथग्भावे	विनक्ति वा विंक्ते धनं आत्मा विविक्त	ध रि ङ इर् औ
विछ	६	गतौ	विच्छति	श
विछ	१०	भाषार्थे, दीप्तौ	विच्छयति	अ
विज	३	पृथग्भावे	वेवेक्ति वेवेक्ते	इर् औ
विज	६	भयचलनयोः	उद्विजते [illegible], उद्वेग	[illegible] ई औ
विज	७	भयचलनयोः	विनक्ति लोक	ध ई औ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
विट	१	शब्द (न.) आक्रोशे	वेटति	
विट	१०	शिरया	विटयति	क ट
विड, विड	१	आक्रोशे	वेडति विडाल.	
वित	१०	त्यागे	वित्तयति वित	क त
विथ	१	याचने	वेथते याचितं भिक्षु	क द
विद	२	ज्ञाने	वेत्ति विष्णुं बुधः वेद	ल
विद	७	विचारणे	विन्ते व्रतविवर्को	प ट औ
विद	४	सत्तायां	विद्यते	य ड औ
विद	६	लाभे	विंदति (वा) विंदते पु ण्यंदाता	न,व,म,न,औ
विद	१०	वेदनाख्याननिवासेषु	वेदयते दुःखं भिक्षुः	क ड
विध	६	विधाने	विधति विधं वेधाः विधि	श
विप	१०	क्षेपे	विपयति	क
विल	६	भेदने (न.) स्तृणी	विलति तरुं हस्ती विलं (इतिबिदः)	श
विश	६	प्रवेशे	विशति विवेश	श औ
विष	१	सेचने	वेषति वेष	उ
विष	३	व्याप्तौ	वेवेष्टि (वा) वेविष्टे विश्वं विष्णुः	लि इर् औ अ ल
विष	९	विप्रयोगे	विष्णाति	ग औ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
विष्क	१०	हिंसायां	विष्कयति	क
विष	४	रणे	विष्यति विषं विश विष	य उ
वी	२	गतिव्याप्तिप्रजनकान्त्यसनखादनेषु	वेति	ऌ
वीज	१०	व्यजने	वीजयति	क त
वीभ	१	कत्थने कत्थनं श्लाघा	वीभते	अ ई
वीर	१०	विक्रान्तौ	वीरयति वीरः	क त इ
वुग	१	त्यागे	वुगति खल साधु	इ
वुट,वुड	१-१०	हिंसे	वोटति (वा) वोटयति	कि
वुस,व्युस	४	उत्सर्गे	वुस्यति कञ्चुकं सर्पः वुसं	य
वृ	९	वरणे	वृणाति (वा) वृणीते वरं कन्या	न अ
वृ	९	वरणे	वृणाति	ग
वृ	९	संभक्तौ	वृणीते विष्णुं विवेकी	ग क
वृ	१	आवरणे	वरति (वा) वरते	अ
वृ	१०	आवरणे	वारयति	क
वृक	१	आदाने	वर्कते वृक	इ
वृश	?	वरणे संभक्तौ च	वृशते कन्या वरं वृश	इ
वृज	७	वृत्तौ	वृणक्ति	प इ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
वृज	१-१०	वर्जने	वर्जति (वा) वर्जयति	णि
वृज	२	वर्जने	वृक्ते कपटं साधुः	ल इ ई
वृज	७	वर्जने (न) वृत्तौ	वृणक्ति खलं शिष्टः	ध ई
वृड	९	[illegible]	वृड्णाति	ग
वृण	६	प्रीणने	वृणति	श
वृण	८	भक्षे	वृणोति (वा) वृणुते	द् भ उ
वृत	१	वर्तने	वर्तते मार्गो	ग उ इ ल
वृत	४	सम्भक्तौ	वरणे वृत्यते	य इ उ
वृत	१०	भाषार्थे दिवादि	वर्तयति	क उ
वृध	१०	भाषार्थे दीप्तौ	वर्धयति	क
वृध	१	वृद्धौ	वर्धते धर्मेण	ग इ उ ल
वृष	१	सेचने [illegible] [illegible]	वर्षति वृषः	उ
वृष	१०	शक्तिबन्धने [illegible] [illegible]	वर्षयते सर्वं मंत्री	क इ
वृह	१०	भाषार्थे [illegible]	वृहति (वा) वृहयति	णि ई
वृह	१	वृद्धौ शब्दे	वृहति बृंहति	ई
वृह	६	उद्यमे	वृहति वेदः	श ऊ
वृह	१	वृद्धौ	वर्हति	
वृह	१	[illegible].	वर्हति	इ ई.

तु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
ई	९	वरणे (अथवा) भरणे	वृणाति (वा) वृणीते	ग ञ
र	१	तनु संताने	वयति (वा) वयते वस्त्र तनु वाग.	ए ञ
ण	१	ज्ञानचिंतानिद्दामनेषु	वेणति (वा) वेणते	[illegible] ञ
थ	१	याचने	वेथते वेथित वेथ	ऋ इ
दि	११	चांचल्ये, स्वप्ने च	वेधति ज्ञानी विषयेषु	
त	१	गतिज्ञानचिंतानिशामनवादित्रग्रहणचर्वणेषु	वेनति तपस्वयस्यभ्यासेन	ऋ
प	१	चलने	वेपते वातेन वृक्ष	ऋ टु ए
ल	१०	कालोपदेशे	वेलयति दिन गणक वेला	अ त
ल्ल	१	गतौ	वेल्लति वेला	ऊ
ल	१	गतौ	वेलति	
ल्ह	१	चाल	वेल्हति	ऋ
वी	१	कांतिगतिव्याप्तिक्षेपप्रजननखादनेषु	वेवीते	टु इ र स
ष्ट	१	वेष्टने	वेष्टते	ऋ
स	१	गतौ	वेसति	इ इ
ह	१	प्रयत्ने	वेहते वेहन्	ऋ ऋ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
वै	१	शोषणे	वायति	औ
व्यच	६	व्याजीकरणे (त.) सम्भवे	व्यचति साधुं धूर्त्तः	श शि
व्यथ	१	दु.खभयचलने	व्यथते पापात्साधुः व्यथा	ष म ङ
व्यध	४	ताडने	विध्यति व्याधो मृगं	य औ
व्यप	१०	क्षये	व्यपयति	क
व्यय	१	गतौ	व्ययति (वा) व्ययते	ञ
व्यय	१०	क्षेपे	व्याययति	क
व्यय	१०	वित्तसमुत्सर्गे	व्ययति धनं व्ययशील॰	क त
व्युष	१०	उत्सर्गे	व्योषयति रोगवानौषधं	क
व्युष	४	हानौ-दाहेच	व्युष्यति	य ईर्
व्युस	४	विभागे	व्युस्यति	य
व्ये	१	संवरणे	संव्ययति (वा) संव्ययते स्तनं वस्त्रेण नारी	ञ
व्रज	१	गतौ	व्रजति व्रजः	
व्रज	१०	संस्कारगतौत्यागेच	व्रजयति	क
व्रण, व्रण	१	शब्दे	व्रणति	
व्रण, व्रण	१०	गात्रविचूर्णने	व्रणयति भीष्मं शरैरर्जुनः, व्रणः, व्रण	क त
व्रश्च	६	छेदने	वृश्चति मूलं पापी	श ओ ऊ
व्री	९	वरणे	व्रीणाते वरं नारी	ऊ ञ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
शि	१	निशाने	शिनोति (वा) शिनुते	
शिक्ष	१	विद्योपादाने	शूर्नं शिक्षते शिक्षा	न न
शिख	१	गतौ	शिखति	ङ
शिघ	१	गतौ	शिघ्राति	
	१	आघ्राणे		
शिञ्ज	२	अव्यक्ते शब्दे	शिंपति कुसुमं कृष्ण· शिञ्जान	इ
◌	१-१०	अव्यक्ते शब्दे	शिक्तेरमना शिञ्जितं	इ
शिट	१	अनादरे	शिमते (वा) शिमयते	उ
शिल	१	उञ्छे	शेटति साधुं मंद:	कि ङ
शिष	१	हिंसायां	शिल्ति ध्यानं विम:	ऋ
शिष	१०	परिशेषीकरणे	शेषति शेष:	श
शिष	७	विशेषणे	शेषयामि धन पुत्रायाविशा शेष	ङ
शी	२	स्वप्ने	विशिनष्टि गुणैर्विष्णुं शेते मुग शयाद्: (अथवा) मट्ठे शयामि	धनिट् औ छ क्ते
शीक	१-१०	आमर्षणे स्पर्शे—से के—दीप्तौ	शीकति (वा) शीकयति	कि
शीक	१	सेचने—स्पर्शे	शीकते मेघो भुवि	अ ङ
शीभ	१	कत्थने	शीभते	अ ङ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
शश	१	प्लुतगतौ	शशति शशः	
शप	१	[illegible]षे	शपति	
शस	१	हिंसायां	शसति कंसं हरिः	उ
शास	२	[illegible]ने	शासति	छ लु
शंस	१	आङुपसर्गे इच्छायां	आशंसते मोक्षं मुनिः	इ ङ
शंस	१	स्तुतौ दुर्गतावपि	शंसति	उ
शान्	२	[illegible]मे	शांशिनि	छ लु इर्
शाख	१	व्याप्तौ	शाखति शाखा गगनं शाखा	ऋ
शाड	१	श्लाघायां	शाडते गुणिनं जनः	ऋ ङ
शान	१	तेजने	शीशांसति (वा) शीशांसते शूरः	अ
शार	१०	दौर्बल्ये	शारयति	क न
शाल	१	कत्थने	शालते	ऋ ङ
शास	२	आङुपसर्गे आशिषि	आशास्ते	अ ऋ ङ
शंस	१	आङुपसर्गे आशिषि	आशंसते	उ ङ
शास	२	अनुशिष्टौ	शास्ति शासन	अ लु उ ए

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
शि	५	निशाने	शिनोति (वा) शिनुते शूलं	न ञ
शिक्ष	१	विद्योपादाने	शिक्षते शिक्षा	ङ
शिख	१	गतौ	शिखति	
शिख	१	गतौ		
शिघ	१	आघ्राणे	शिघति	
शिञ्ज	२	अव्यक्ते शब्दे	शिंक्ते कुसुमं कृष्ण शिञ्जानं	ई
शिञ्ज	१-१०	अव्यक्ते शब्दे	शिञ्जितेरमना शिञ्जितं शिञ्जते (वा) शिञ्जयते	ई
शिट	१	अनादरे	शेटति साधुं मंद:	
शिल	६	उञ्छे	शिलति ध्यानं विप्र:	ल
शिष	१	हिंसायां	शेषति शेष:	कि ञ
शिष	१०	परिशेषीकरणे	शेषयति धन पुत्रायपिता शेषं	क्र ना
शिष	७	विशेषणे	विशिनष्टि गुणैर्विष्णुं	क
शी	२	स्वप्ने	शेते सुखं शयालु: (अथवा) मंडले शयानि	घनिल्ट औ ञ वनि
शीक	१-१०	आमर्षणे स्पर्शे-से०के-दीप्तौ	शीकति (वा) शीकयति	
शीक	१	सेचने-स्पर्शे	शीकते मेघो भूमिं	कि
शीभ	१	कत्थने	शीभते	अ ङ ऋ ङ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबं
शील	१	समाधौ	शीलति सुशीलः	नि
शील	१०	उपधारणे— अभ्यासे—अतिशायने	शीलयति नीलनिचोलं शीलं	क त
शुक	१	गतौ—स्पर्शे	शोकति	
शुच	१	प्रतिघाते	शोचति शोचना शोकः	
शुच	१	शोके	शोचति शोकः शुचिः	
शुच	४	पूतिभावे–विशरणे क्लेदे	शुच्यति (वा) शुच्यते तपसा विप्रः	य न इर्
शुच्य	१	अभिषवे	शुच्यति	ई
शुठ	१	शोषणे	शुठति शुंठी	इ
शुठ	१०	शोषणे	शुंठयति शुंठी मनः शुंठी	क इ
शुठ	१	खोटने प्रतिघातेच	शोठति	
शुठ	१	खोटने	शुठति	इ
शुठ	१०	आलस्ये	शोठयति	क
शुठ	१०	संस्कारगत्यो	शुठयति	क इ
शुध	४	शौचे	नरः शुद्ध्यति सत्संगात्	य ल औ
शुध	१	शुद्धौ	योगः शुंधति सत्वेन शुध्यः	
शुध	१-१०	शुद्धौ	शुंधेत (वा) शुंधयत	कि [illegible]
शुन	६	गतौ	शुनति शुनकः	श
शुभ	१	भासने	शोभति न शोभति सामध्ये	

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
शुभ	१	दीप्तौ	शोभते शोभा	ल्ट क
शुभ	६	शोभार्थे	शुभति विद्या विप्र	श
शुभ	६	दीप्तौ	शुभति	श प
शुंभ	६	शोभार्थे	शुंभते	श
शुभ	१	भासने	शुभति	
शुल्क	१०	भाषणे-संघाते-सर्जने- वर्जने-अतिस्पर्शने	शुल्कयति	क
शुल्ब	१०	माने-सर्गे च	शुल्बयति	क
शुल्ब	१०	गर्जने	शुल्बयति विधं विधाता शुल्ब	क
शुष	४	शोषणे	शुष्यन्ति सरसी नदिना शुशाह शोष (म.) शुष्क वा क	प औ ट
शूर	१०	विक्रान्तौ	शूरयते शूर	क त ट
शूर	४	स्तंभे हिंसायां च	शूर्यते	प क ई
शूर्प	१०	माने	शूर्पयति शूर्पेण धान्य नारी शूर्पणखा	क
शूल	१	रुजायां	शूलति घोरं शूलं	
शूष	१	प्रसवे	शूषति	
शृध	१	शब्दकुत्सायां	शर्द्धेतस्वरः	उ ऊ क ष

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
शृध	१	उंदे	शर्द्धति (वा) शर्द्धते निल्न शिरः	उ ए
शृध	१०	प्रहसने	शर्धयति मूर्ख बुधः	ऋ उ
शॄ	९	हिंसायां	शृणाति शीर्णः—र्णा—र्णं	ग गि
शेल	१	गतौ	शेलति शेलुः	ऊ
शेव	१	सेवने	शेवते	ऋ
शै	१	गतौ पाके च	शायते	
शो	४	निशाने	श्यति शितः—ता—तं	य
शो	४	तनूकरणे	श्यति काष्टं वर्द्धकिः	य
शोण	१	वर्णगत्योः	शोणति पद्मं शोण शोणितं	ऋ
शौट	१	गर्वे	शौटति मूर्खः	ऋ
शौड	१	गर्वे	शौडति	ऋ
श्चुत	१	क्षरणे	श्चोतति	इर्
श्च्युत	१	क्षरणे	श्च्योतति जलं श्च्योतः	इर्
श्मील	१	निमेषणे	श्मीलति नेत्रं	
श्मील	१	निमेषणे	श्मीलति	
श्यै	१	गतौ	श्यायते	ङ
श्रकि	१	गतौ	श्रंकते	इ ङ
श्रग	१	गतौ	श्रंगति	इ
श्रण	१	दाने	श्रणति	म

धातु	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
श्रण	१०	दाने	श्राणयति गां राजा—विश्राणन	क
श्रथ	१-१०	बंधने-मोक्षे—वधे	श्रथति (वा) श्रथयति कुसुमैः केशं नारी	कि
श्रथ	१	बंधे	श्रथति	म
श्रथ	१०	दौर्बल्ये	श्रथयति	क त
श्रथ	१०	प्रातिहर्षमोक्षयत्नगो·	श्रथयति	क
श्रथ	१	शैथिल्ये	श्रंथते नीवीं	इ क
श्रंथ	१-१०	संदर्भे (त०) वधे	श्रथति (वा) श्रथयति	कि
श्रंथ	९	मोचन प्रतिहर्षयोः संदर्भे	श्रथ्नातिमुमुक्षुं हरि भमाति	ग
श्रंभ	१	प्रमादे	श्रंभति	उ
श्रम	४	खेदे तपसि	श्राम्यति मार्गे पथिक श्रमः श्रान्तः—ता-तं—श्रान्ति	य भ उ नि इर्
श्रा	२	स्वेदे	श्राति	ष
श्रा	१	पाके	श्राति—श्रपयति यवागूं भिक्षु	
श्रा	२	पाके	श्राति शाक	छ म
श्रा	९	पाके	श्रणाति (वा) श्राणीते	ग म

धातु.	गण.	अर्थ	उदाहरण.	अनुबन्ध.
श्वल्क	१०	भाषे	श्वल्कयति	क
श्वस	२	प्राणने	श्वसिति–विश्वासः–श्व-सनं	ल लु घ
श्वि	१	गतिवृध्योः	श्वयति धर्मेण राजा	टुओ ऐ इर्
श्वित	१	वर्णे	श्वेततेगेह–श्वेत –ता–तं	ल आ ङ
श्विद्	१	वैक्लव्ये	श्विन्दते ज्ञानेन जनः	इ ङ
ष्वग	१	संवरणे	सगति	म ए
षञ्	९	हिंसायां	सञ्नोति	न
षच	१	समवाये	सचति साधुः	
षच	१	सेचने	सेचते जलेन भूमिं	ङ
षच	१	गतौ	सचति	
षंज	१	संगे	सजति तरुण्यां तरुण. आसक्त –तः–तं.	ओ ञि
षट	१	अवयवे	सटति सटा	
षट्ट	१०	निकेतनहिंसाब-लदानेषु	सट्टयति	क
षण	१	सम्भक्तौ	सनति	
षण	८	दाने	सनोति (वा) सनुते-विप्राय गां	द न उ
षद	१-१०	गतौ-आ उपसर्गे	आसादति (वा) आ-सादयति	कि

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
षद	१-६	विशरणगत्यवसादनेषु	मीदति विरहेण पांथ. विषादः	दा लृ न ओ
षघ	५	जिघांसायां	मघ्नोति	न
षन	१	संभक्तौ	मनति	
षन	८	दाने	मनोति (वा) सनुते	द न उ
षप	१	संबन्धे	मपति	
षंब	१	सर्पणे	संबति	
षम	१	वैक्लव्ये	ममति	
षम	१०	वैक्लव्ये आलोचने च	ममयति	क त
षर्ज	१	अर्जने	मर्जति सर्ज्ञ	
षर्ध	१	गत्यां	मर्धति	
षर्ब	१	सर्पणे हिंसायां च	मर्बति	
षल	१	गतौ	मलति सलिलं	
षस	२	स्वप्ने	मस्ति सिंहो हरिः	ल लु र
षस्ज	१	गतौ	मज्जति (वा) सज्जते	अ उ
षस्त	२	स्वप्ने	मंस्तिति	ल लु इर्
षह	१-१०	मर्षणे	महति (वा) साहयति स एवाय नागः	कि
षह	१	मर्षणे	पापं न सहते राजा	न ङ
षह	४	मर्षणे, चक्यर्थे	मह्यति	य

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
षाघ			(इति साघ)	
षान्त्व	१०	सामयोगे	सान्त्वयति	क
षि	५	बंधने	सिनोति (वा) सिनुते कृष्णं यशोदा विषयः	न ञ
षि	९	बंधने	सिनाति (वा) सिनीते चौरं राजा	ग ञ
षिच	६	क्षरणे	सिंचति (वा) सिंचते	श प औ ञ
षिट	१	अनादरे	सेटति साधुं भंड:	
षिध	१	गत्यां	सेधति मधुरां कृष्णाः	उ
षिध	१	शास्त्रे मांगल्ये च	सेधति शिष्यं गुरुः सिद्धो यं मुनिः	ऊ
षिध	४	संराद्धौ	सिध्यति मुनिर्योगेन	य उ औ
षिभ	१	दीप्तौ हिंसने	सिभति	उ
षिल	६	उंछे	सिलति	श
षिव	४	तंतुसंताने	सीव्यति कथां योगी—सीवनं	य उ
षु	५	अभिषवे मन्थने च	सुनोति (वा) सुनुते सोमं रसा विप्रः	न ञ
षु	१	प्रसवे गतौ	सवति पुत्रं नारी—प्रसवः	

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
षु	२	प्रसवे, ऐश्वर्ये	प्रसौति पुत्रं प्रसवः प्रसुति	
षुट	१०	नीऊचे, अनादरे	सुटयति	ख
षुभ	१	दीप्तौ हिंसने	सुभति	
षुर	६	भिस्ययोः	सुरति	क
षुह	४	तृप्तौ, शक्तौ च	सुह्यति	
षू	२	प्राणि गर्भविमोचने	प्रसूते देवकी कृष्णं	श
षू	४	प्रसवे		य ल
षू	६	प्रेरणे	सुवते सुतं धर्मं	ल क औ
षूद	१	क्षरणे निरासे	सूदते	य ङ ओ
षूद	१०	आश्रुतिहत्योः निरासेच	सूदते चोरं राजा सूदः सूदयति	श
षूर	४	स्तंभे—हिंसे		क
षूर्क्ष	१	अनादरे	सूर्क्षते	
षूर्क्ष्य(वा) षूर्क्ष्य	१	ईर्ष्यार्थे	सूर्क्षति सूर्क्ष्यति (वा) सूर्क्ष्यति	य ह इ
षूष	१	प्रसवे	सूषति पुत्रं साध्वी	
षेक	१	सर्पणे	सेकते	
षेल	१	चालगत्योः	सेलति	ह ऋ मृ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
षेव	१	सेवने	नीचं समृद्धमपि सेवति (वा) सेवते नीचः	ऋ ङ ञ
षै	१	क्षये	सायति	
षो	४	अन्तकरणे	स्यति कालो लोकं	य
ष्टक	१	प्रतिघाते	स्तकति	म
ष्टग	१-१०	संवरणे	स्तगति (वा) स्तगयति	ए मि
ष्टन	१	शब्दे	स्तनति	मि
ष्टभ	१	प्रतिबन्धे	स्तंभते पापात्पुत्रंपिता स्तंभः	इ ङ
ष्टम	१	वैक्लव्ये	स्तमति	
ष्टम	१०	वैक्लव्ये	स्तमयति	क त
ष्टल	१	स्थितौ	स्थलति	म
ष्टृक्ष	१	गतौ	स्तृक्षति	
ष्टृह	६	वधे	स्तृहति	श उ
ष्टृह	६	वधे	स्तृहति	श उ
ष्टिप	९	आस्कन्दने	स्तिघ्नते पथिकः शृङ्गि.	न ङ
ष्टिप	१	क्षरणे	स्तेपते मलं घटात्	ङ ऋ
ष्टिम	४	आर्द्रा भावे	स्तिम्यति तैलेन देह	य
ष्टीव	१	निरसने	ष्ठीवति	उ
ष्टीम	४	आर्द्री भावे	स्तीम्यति तैलेन देह	य

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
ष्टु	२	स्तुतौ	स्तौति (वा) स्तुते स्तव स्तुतिः	अ उ
ष्टुच	१	प्रसदे	स्तोचते ज्ञानेन मनः	अ
ष्टुप	१०	उच्छ्राये	स्तोपयति	अ
ष्टुभ	१	स्तंभे	स्तोभते नीचो विद्यया स्तोभते वृद्धशीतम्	
ष्टूप	४	उच्छ्राये	स्तूप्यति	य इर्
ष्टेप	१	क्षरणे	स्तेपते जलं घटात्	इ ऋ
ष्टेव	१	निरसने	ष्टेवति	
ष्टै	१	वेष्टे	स्तायति	
ष्ट्यै	१	वेष्टणे	स्त्यायति	
ष्ट्यै	१	शब्दसंघाते	ष्ट्यायति लोक	
ष्ठग	१	संवरणे	स्थगति	म ए
ष्ठम	४	निवासे	स्थयति	य मू मि उ
ष्ठा	१	गतिनिवृत्तौ	तिष्ठतितिष्ठेत्स्तुनि — स्थान	नि
ष्ठिव	१	निरसने	ष्ठेवति	
ष्ठिव	४	निरसने	ष्ठीव्यति भुक्तमसंबान्ध:	य उ
ष्ठीव	१	निरसने	ष्ठीवति	
ष्ठ्यम	४	निरसने	ष्ठ्यम्यति	उ य
ष्णा	२	शौचे	स्नाति गंगायां स्नानं	इ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
ष्णिह	४	प्रीतौ	स्निह्यति शिष्ये गुरुः स्नेहः	य
ष्णिह	१०	स्नेहने	स्नेहयति	क
ष्णु	२	प्रस्रवणे	स्नौति जलं घटात्	ल
ष्णुस	४	अदने, निरासे च	स्नुस्यति	उ य
ष्णुह	४	उद्गारे	स्नुह्यति	य उ ल
ष्मिङ	१	ईषद्धसने	स्मयते स्मयः स्मितं	ङ
ष्मिङ	१०	अनादरे	स्माययते	ङ
ष्वक्क	१	गतौ	स्वक्कते	ङ
ष्वञ्ज	१	परिष्वंगे	स्वजते पुत्रं पिता परिष्वजति पांचाली मध्यमं पांडुनन्दनं	औ नि ङ
ष्वद	१०	स्वादे छेदे	स्वदयति	
ष्वद	१	आस्वादे प्रीतौलिहेषु	स्वदते	ङ
ष्वप	२	शये	स्वपिति शिशो हरिः स्वाप स्वप्न.	ल,लु,भि,प,औ
ष्वर्त	१०	गत्यार्तकयोः	स्वर्तयति	क
ष्विद	१	मोचने, मोदे खेदे	स्वेदते पार्थ तरसा मन	इनि आ त्
ष्विद	४	गात्रप्रक्षरणे	स्विद्यति (ता) स्विद्येति स्विन्न प्रस्वेदः स्वेदः	य आ ल आ औ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध
संकेत	१०	आमंत्रणे	संकेनयति रतये कामिनी कामुकं	
सग	१	संवरणे	सगति	क
संग्राम	१०	युद्धे	संग्रामयते—संग्रामः	म ए
सघ	५	हिंसायां	सघ्नोति	क त ङ
संज	१	सर्पणे	संजति	न
सट	१०	प्रकाशने	सटयति	
सट्ट	१०	हिंसायां	सट्टयति	
सठ,स्वठ	१०	————	(इति शठ—श्वठ	क त
सत्र	१०	सन्तानक्रियायां—संबंधे—सन्ततौ	सत्रयते पथिकेभ्यो धार्मिकः, सत्री, सत्रं	क
सप	१	संबन्धे	सपति	क त ङ
संवर	११	संभरणे—छज्जायांच	संवर्य्यति गुरुदर्शनाद्वधूः	ट
सभाज	१०	प्रीतिसेवायां दर्शनेच	सभाजयति गुरुंशिष्यः सभाजना	
संभूयस्	११	प्रभूतभावे	संभूयस्यति पयोवारिणा	क त
सम्ब	१	सर्पणे	सम्बति	ट
सम्ब	१०	सम्बन्धे	सम्बयति	.
सर्ज्ज	१	अर्जने	सर्ज्जति	क
सर्ब्ब	१	सर्पणे	सर्ब्बति	

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
सह	४	शक्तौ	सह्याति भूवहने वासुकिः (इतिपह)	यै
साट	१०	प्रकाशने	साटयति	क त
सांत्व	१०	सामप्रयोगे	सांत्वयति शोकाकुलं ज्ञानी	क त
साध	४	संसिद्धौ	साध्यति ज्ञानेन यतिः सिद्धः	य उ
साध	५	संसिद्धौ	साध्नोति योगेन मुनिः	न औ
साम	१०	सांत्वने, प्रयाणे	सामयति बालं पयसापिता सामः	क त क
साम्ब	१०	सम्बन्धे	साम्बयति	क
सार	१०	दौर्बल्ये	सारयति सारः	क त
सिच	६	क्षरणे	सिंचति (वा) सिंचते जलेन गेहं विलासी-सेक्तः-अभिषेकः	श प ल औ
सिभ	१	हिंसायां	सिभति कुमत्री राजानं	उ
सीक	१	सेके गत्यां	सीकते	ए ऋ
सीक	१-१०	आमर्षे	सीकति (वा) सीकयति	कि
सु	१	गतौ ऐश्वर्ये प्रसवे	सवति	
सु	५	सं याभिषवपीडनामंथेषु	सुनोति (वा) सुनुते	न ल

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
मुल	१०	नतिक्रियायां	मुलयति	क त
मुल	११	नतिक्रियायां	मुल्यति धनी संसारे	ट
मुट	१०	अनादरे	मुट्टयति	क
मुम्भ	१	मुनौ हिंसायां	मुम्भति	
मुर	६	ऐश्वर्य दीप्तयोः	मुरति राजा मुरः अमुरः	श
मू			(इतिपू)	
मूक्ष	१	अनादरे आदरेच	मूक्षति	
सूच	१०	पैशून्ये	सूचयति परदोषं खलः सूचकः	क त
सूत्र	१०	अवमोचने वेष्टनेच	सूत्रयति सूत्रणे कलशं पूरोधाः सूत्रं	क त
सूर	४	हिंसास्तंभनयोः	सूर्य्यते रविबिंब योगी	ङ य
सूर्क्ष्य	१	अनादरे ईर्ष्यायां	सूर्क्ष्यति	
सूष	१	प्रसवे	सूषति	
सृ	१	गतौ	सरति तीर्थं मुनिः	
सृ	३	गतौ	ससर्त्ति	लि र
सृ	१०	स्तृतौ	सरयति	क
सृज	६	विसर्गे	सृजति विश्वंवेधा	श औ
सृज	४	विसर्ग–उत्पादने	समृज्यते पिता पुत्रं सृज्यते विश्वंविधाता सृष्टिः	
सृप	१	गतौ	सर्पति सर्पः	ऌ औ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
स्तूप	४	समुच्छ्राये	स्तूप्यति धान्यं—स्तूप	य इर्
स्तृ	५	आच्छादने (त.) नीतिरक्षाप्राणनेषु	स्तृणोति (वा) स्तृणु- निया ससा देहं विस्तृत-—ता—तं	न अ
स्तॄ	९	आछादने	स्तृणाति (वा) स्तृणी- ते गगनं मेघ: स्तीर्ण णा—णं	ग अ गि
स्तृक्ष	१	गतौ	स्तृक्षति	दा ऊ
स्तृह	६	वधे	स्तृहति	ग गि
स्तृ	९	छादने—पंचच	स्तृणाति	दा ऊ
स्तृ	६	वधे	स्तृहति	क त
स्तेन	१०	चौर्ये	स्तेनयति धनं स्तेनः	क
स्तेप	१०	क्षेपे	स्तेपयति	
स्त्यै	१	शब्दसंघाते	स्त्यायति लोक	
स्तोम	१०	श्लाघायां	स्तोमयति स्तोमः	क त
स्थग	१	संवरणे	स्थगति	म ए
स्थल	१	संचये—स्थाने	स्थलति धर्मे मुनिः स्थल स्थली	अ
स्थूल	१०	परिबृंहणे	स्थूलयति स्थूलः ला लं	क त इ
स्निह	१०		(इति स्निह)	क
स्पद	१	किंचिच्चलने	स्पंदति वातेन	इ

धातु.	गण	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
स्पर्द्ध	१	परपराभेच्छायां संघर्षे	स्पर्द्धते कर्णोऽर्जुनं स्पर्द्धा	ङ
स्पर्श	१०	ग्रहण-श्लेषे	स्पर्शयते	क ङ
स्पश	१	बाधने ग्रंथेच	स्पशति (वा) स्पशते स्पशः	अ
स्पृ	५	प्रीतिरक्षापालनेषु	स्पृणोति	म
स्पृश	६	संस्पर्शे	स्पृशति पुत्रं पिता	श ओ
स्पृह	१०	ईप्सायां	स्पृहयति गंगायै मुनिः स्पृहा	क त
स्फट	१	भेदे	स्फटति	इ
स्फट	१०	भेदे	स्फाटयति	क
स्फर	६	स्फूर्तौ चले	स्फरति	
स्फल	६	स्फूर्तौ-चले.	स्फलति	श
स्फाय	१	वृद्धौ	स्फायते स्फायः स्फा-ति (वा) स्फायति स्फीतः स्फीतवान्	ई ङ
स्फिट	१०	दृष्या-अनादरे हिंसे	स्फेटयति	
स्फुट	१	विकसने	स्फोटते (वा) स्फोटति स्फुटपुष्पं	अ

धातु	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
स्फिट्ट	१०	हिंसायां	स्फिट्टयति नकुलः सर्पं स्नेर	क
स्फुट	६	विकसने	स्फुटति पुष्पं स्फुट टा ट	श दि
स्फुट	१	विसरणे	स्फोटति पुष्पं	इ
स्फुट	१०	विसरणे	स्फोटयति	क त
स्फुट	१०	भेदे	स्फोटयति	क
स्फुट	१०	परिहासे	स्फुंटयति भगिनी पतिं स्यालः	क इ
स्फुड्ड	१०	अनादरे	स्फुड्डयति	क
स्फुट	१	विकसने विदारणेच	स्फुंटयति	इ
स्फुड	६	संवृतौ	स्फुडति	श
स्फुड	१०	परिहासे अनुभाषणेच	स्फुडति (वा) स्फुंडयति	इ वि
स्फुर	६	स्फुरणे-संचलनेच	स्फुरतिनेत्रं	श दि
स्फुर्छ	१	विस्मृतौ	स्फुर्छति विष्णु भोगी	आ
स्फुर्ज	१	वज्रनिर्घोषे	स्फूर्जति वज्रं	टु ओ आ
स्फुल	६	स्फुर्ती वधे चेष्टे	स्फुलति	श दि
स्मि	१	ईषद्धासे	स्मयते स्मद. स्मितं	ङ
स्मि	१०	अनादरे	स्माययति	क
.				

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
ष्ठिव	४	गतिशोषणयोः	ष्ठीव्यति रविः पयः ष्ठीव्यतिधात्रार्थे गंगा सिन्धाम्	उ प
स्रु	१	भूतौ—गतौ	स्रवति	
स्रेक	१	गतौ	स्रेकते	ऋ ब
स्रै	१	पाके	स्रायति दुग्धं	
स्लिट	१	स्नेहे	स्लेटति	
स्वग	१	मर्षणे	स्वगति	ई
स्वंज	१	आलिंगने	स्वजते	ट ओ अ
स्वद	१	आस्वादने	स्वदते	ङ
स्वद	१०	आस्वादने	(आ उपसर्गे) आस्वादयति पयोयति	अ
स्वन	१	शब्दे	स्वनति	ण
स्वन	१०	शब्दे	स्वनयति	अ त
स्वन	१	शब्दे	स्वनयति (वा) स्वानयति भेरी नदः	मि
स्वन	१	अवतंसने	स्वनति केशा कुसुमैर्नारी	ङ
स्वर	१०	आक्षेपे	स्वरयत्यमुं कर्णः	अ त
स्वर	१०	आक्षेपे	स्वरयति	अ त
स्वर्द	१	आस्वादने	स्वर्दते गुडं बालः	

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
स्वर्त्त	१०	गतौ आतंके	स्वर्त्तयते	क
स्वस्क	१	गत्यां	स्वस्कते	ङ
स्वाद	१	आस्वादे	स्वादते स्वादु	
स्वृ	१	शब्दोपतापयोः	स्वरति	
स्वॄ	९	हिंसने	स्वृणाति (वा) स्वृणीते	ग गि ञ
स्वेक	१	गत्या	स्वेकते	ङ ऋ
हट	१	दिप्तौ	हटतिचद्रः हाटकं	
हट	१	बलात्कारे (वा) कीलबन्धे, द्युतौ	हटतिराजा	
हद	१	पूरीषोत्सर्गे	हदतेरोगी	ङ
हन	२	हिंसागत्यो	हन्ति हनति अहनत् जघान कंसंकिलवासुदेवः	ल
हम्म	१	गतौ	हम्मति	
हय	१	गतौ क्लमे	हयति हयः हायनं	
हर्य्य	१	क्लमे-गतौ	हर्य्यति	
हल	१	विलेखे	हलति	
हस	१	हसने	हसति हसः हासः हास्यं	ए
हा	३	गतौ	जिहीते	लि ङ ओ
हा	३	त्यागे	जहाति गेहं यतिः	लि क ओ
हि	५	गतौ वर्द्धने	हिनोति	न
हिक	१	अव्यक्तेशब्दे	हिक्कति (वा) हिक्कते	ञ

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
हिक	१०	[illegible]ग्यो	हिक्कयते हिक्का	क इ
हिड	१	अनादरे—गतौ	हिडते	अ इ इ
हिड	१	आक्रोशे	हेडति घोर भयानक	ग
हिद	९	भूतप्रादुर्भावे	हेडणाति हेला	रा
हिल	६	हावकरणे	हिलति	क. ल
हिंदोल	१०	दोलने	हिंदोलयति	इ
हिव	१	प्रीणने	हिन्वति	कि. इ
हिंस	१-१०	हिंसायां	हिंसति (वा) हिंसयति हिंसा	ध इ
हिंस	७	हिंसायां	हिनस्ति रिपुं	नि
हु	३	दानादनयो। प्रीणन-निषु	जुहोति पापानि विरजाः सदा शरः सन्महर्षीन्पापात्मक जुहोति सर्वं ज्याति	
हुड	१	संघाते, वर्षणे च	हुडते	इ क
हुड	६	मज्जने मये	हुडति धान्यं	दा टि
हुड	१	गतौ	होडति	ऋ
हुल	१	गतौ उदि	होलति	अ
हुंड	१	वरणे	हुंडति मल	ऋ
हूड	१	गतौ	हूडते	क इ
हृ	१	हरणे	हरति (वा) हरते वेदं हृतः	ञ

धातु	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
हृ	३	प्रसह्यकरणे	नहर्ति परनारीं दुष्टः	लि र
हृष	१	अलीके	हर्षति सत्ः साधुं	ट नि
हृष	४	तुष्टौ	हृष्यति हृष्टः दा टं हृष्टिः	र उ नि इ
हेट	१	बाधायां	हेटति	
हेठ	१	बाधायां	हेठतेरिपुं मर्दी हेठः	ट ऋ
हेड	१	वेष्टने	हेडति	म
हेड	१	अनादरे, गतौ	हेडते	ऋ ङ
हेप	१	गतौ	हेपते	ऋ ङ
हेष	१	अव्यक्तेशब्दे	हेषते हयः हेषा	ङ
होड	१	अनादरे, गतौ	होडते	ऋ ङ
हौड	१	गतौ	हौडते	ऋ ङ
ह्नु	२	अपनयने	ह्नुतेदुर्जनं सुमनः	ळ ङ
ह्मल	१	चलने	ह्मलति	म
ह्वग	१	संवरणे	ह्वगति	म ऐ
ह्वणी	११	रोषे लज्जायांच	ह्वणीयतेकश्चद्दांतरितापरासक्ताय	ह ट
ह्वेप	१	गतौ (अथवा) हयशब्दे	ह्वेपते ह्वेपति	ऋ ङ
ह्वस	१	शब्दे	ह्वसति	
ह्लाद	१	अव्यक्तेशब्दे	ह्लादतेमेघः	ङ
ह्री	३	लज्जायां	जिह्रेतियवनसेवयाद्विज	लि

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
ह्वीछे	१	लज्जायां	ह्वीछति	
ह्रुड	१	गतौ	ह्रुडते	ऋ ङ
ह्रूड	१	गतौ	ह्रूडते	ऋ ङ
ह्वोड	१	गतौ	ह्वोडते	ऋ ङ
ह्लग	१	संवरणे	ह्लगति	म ए
ह्लप	१०	व्यक्तायांवाचि	ह्लपयति संस्कृतं मनीषी	क
ह्लस	१	शब्दे	ह्लसति	
ह्लाद	१	सुखे स्वने	ह्लादते पिता पुत्रेण आ-ह्लादः	ङ
ह्वल	१	चलने	ह्वलति ह्वेलयति	म
ह्वृ	१	कौटिल्ये संवरणेच	ह्वरति खलः	
ह्वे	१	स्पर्धायां-वाचि	ह्वयति (वा) ह्वयते चाणूरः कृष्णं आह्वयते पुत्रं पिता आह्वान	ञ ए
		सौत्राः	(सूत्राणि)	
उह	१	महतौ	ओहति	
उह	१	आघाते	उहति	
उर	१	गतौ	ओरति	
उल	१	दाहे	ओलति	
ऋत	१	गतिस्मृत्योः	अर्तति	

धातु.	गण.	अर्थ.	उदाहरण.	अनुबन्ध.
मट	१	मादे	मटति	
युप	१	भजने	योपति योपित्	
रिफ	१	कुत्सने	रिफति रेफः फा फं	र
रश	१	स्वने	रशति	
छत	१	घाते	छतति	
लुछ	१	विमर्दे	छोलति	
घट	१	स्तेये	घटति	
वह	१	आरोहणे	वढति	
विप	१	रवे	वेपते	
शछ	१	गतौ	शाछति	
शिक	१	सेचने	सिकति सिकता	
स्मातशात	१०	सुखे	स्मातयति शातयति	
मुद	१	शोभे	मुन्दति मुन्दरः रा, रं	र
स्कंभ	५-९	रोधने	स्कभ्नोति (वा) स्क- भ्नाति	न ग उ
स्कुंभ	५-९	रोधने	स्कुभ्नोति (वा) स्कु- भ्नाति	न ग उ
स्तंभ	५-९	रोधने	स्तभ्नोति (वा) स्तभ्नाति	न ग उ
स्तुभ	५-९	रोधने	स्तुभ्नोति (वा) स्तु- भ्नाति	न ग उ

समास.

अनुबन्धसंकेतार्थसूचना.

अनुबन्ध.	अर्थ.	[illegible]		व्याकरण	
		पृ	सू	पृ	सू
अ	अइतिअकारउच्चारणार्थं	२	१	२	१
आ	आकारेत्त्वम् धुलन इत्यादौ आदितश्चेति इडभावार्थम्	१	२	३	२
इ	इदित्वं नंदतीत्यादौ इदितोनुम् धातोरितिनुमर्थम्	२	१	२	१
इर्	इरित्व अभ्युक्षत् अभ्योतीत् इत्यादौ इरितोवेति च्लेरङ्विकल्पार्थम्	२	१	[illegible]	१
ई	ईदित्व उलउल इत्यादौ श्वीदितो निष्ठायां इतिइण् निषेधार्थम्	३	५	३	[illegible]
उ	उदित्व शमिता शान्ता इत्यादौ उदितोवा इतिइट् विकल्पार्थम्	१	८	३	६
ऊ	ऊदित्व त्वर्ति मूर्ति मूर्तिं ऊदितो वा इति मेडा वोधिन इत्यादौ इड्विकल्पार्थम्	५	१	६	१
ऋ	ऋदित्वं अजूगणन् इत्यादौ नाग्लोपिशास्वृदितामिति ह्रस्वनिषेधार्थम्	५	१०	६	१०
ऌ	ऌदित्वेच्लेः अङ् विकल्प सूचकः	२	१०	७	१८
ए	एदित्वं अग्रहम् अग्रहीत् इत्यादौ ह्म्यन्तक्षणश्वसजागृणिश्व्येदिताम् इति वृद्धिप्रतिषेधार्थम्	५	१	३	१

अनुबन्धसंकेतार्थसूचना.

अनुबन्ध.	अर्थ.	कौमुदी		व्याकरण	
		पृ	प	पृ	प
अ	अइति अकारउच्चारणार्थं	२	१	२	१
आ	आकारेत्त्वम्फुल्ल इत्यादौ आदितश्चेति इडभावार्थम्	२	२	३	२
इ	इदित्त्वं नन्दतीत्यादौ इदितोनुम् धातोरिति नुमर्थम्	२	१	२	१
इर्	इरित्त्व अच्युतत् अच्योतीत् इत्यादौ इरितोवेति च्लेरङ्विकल्पार्थम	२	१	२	१
ई	ईदित्त्व उत्तउत्तः इत्यादा श्वीदितो निष्ठाया इतिइण् निषेधार्थम	२	२	२	२
उ	उदित्त्व शमित्वा शान्त्वा इत्यादौ उदितोवा इतिइट् विकल्पार्थम	२	८	२	०
ऊ	ऊदित्त्व स्वरति सूति सूयति धूञ्-दितोवा इति सेद्धा सेधिता इत्यादौ इड्विकल्पार्थम्	२	१	२	१
ऋ	ऋदित्त्वं अचुचकत् इत्यादौ नाग्लो-पिशास्वृदितामिति ह्रस्वनिषेधार्थम्	२	१०	२	२७
ॠ	ॠइतिण्यते ह्रस्व विकल्प सूचक. संकेतः	२	१०	२	२६
ऌ	ऌदित्त्वं अगमत् असदत् इत्यादौ पुषादिद्युताद्य्लृदितः परस्मैपदेषु इति च्लेरङर्थम्	२	१	२	१

अनुबन्धसंकेतार्थसूचना.

अनुबन्ध.	अर्थ.	कौमुदी पृ	कौमुदी प्र	सारस्वत. पृ	सारस्वत. प्र
ञ	ञ इतिभ्वादिसंज्ञकप्रथमगणांतःपातिज्वलादिगणसूचकः संकेतः	२	१	०	०
ञ	ञिरंउऊर्णोति ऊर्णुते इत्यादौस्वरितञितः कर्त्रभिप्राये क्रियाफले इत्युभयपदार्थम्	२	१	२	१
ञि	ञीइंधे इद्ध इत्यादौ ञीत क्त इति वर्तमानेक्त प्रत्ययार्थम्	२	२	३	२
ट	ट इति षोडशप्रकरणरूपक घट्टादिगणसूचनार्थः संकेतः	२	१६	०	०
टु	टुवेपृ वेपथु रित्यादौ टुवितोऽथुच् इति अथुच् प्रत्ययार्थम्	२	८	२	६
डु	डुकृञ् पवित्रमित्यादौ डुितः त्रिरिति प्रत्ययार्थं केचित् त्रिमक् इति वदंति	२	८	२	६
ण	ण इतिभ्वादिसंज्ञकप्रथमगणांत पातिफणादिगण सूचकः संकेतः	२	१	२	१
त	त इति अंते अकारलोपाभाव सूचकः संकेतः	२	१०	२	२६
द	द इतिभ्वादिसंज्ञकअष्टमगण सूचकः संकेतः	२	८	२	१९

पृष्ठांक.	पंक्त्यंक.	अशुद्ध.	शुद्ध.
”	१२	मः	मॄः
”	”	मृणाति मृणीते	मृनाति मृनीते
२१	१	ना नं	ना न
”	”	परिवेदने	परिदेवने
”	८	ता तं क्षान्ति	न्ता न्तं क्षान्तिः
”	७	षीव	क्षीव
”	१९	रुच्छ्रजीवेन	कृच्छ्रजीवने
”	”	क्षञयाति	क्षञ्जयाति
२६	९	शाक्ती	शक्ती
”	१४	क्षि	क्षी
२७	१	माघेने	मोचने
”	१७	अम·	अनः
२८	९	क्षुपधं धा धं	क्षुब्ध· ब्धा ब्धं
२९	१	लभ	लभ
”	६	खट्टयवि	खट्टयति
३०	२	दशन	दंशने
”	”	खर्व्व	खर्व
”	”	खर्व्वति खर्व्वः	खर्वति खर्व
”	४	खर्व्व	खर्व
”	”	खर्व्वति	खर्वति
३१	१२	गर्म्भ	गर्भ

पृष्ठांक.	पंक्त्यंक.	अशुद्ध.	शुद्ध.
१६	६	कशति समूलकाशं	कषति समूलकाषं
,,	८	वध्ननयो:	बन्धनयोः
,,	९	कालोपदेशे	कलोपदेशे
१६	१६	भयमीपयो:	भयमीपणयोः
१७	१६	काञ्ची	काञ्ची
,,	१८	संकोच	संकोचः
१८	?	कुञ्च	कुन्च
,,	७	१	१०
,,	१८	कुडते	कुण्डते
१९	१०	स्मृते	स्मृतौ
,,	१४	लुभ	कुभ
२०	७	कृप्णाति	कुप्णांति
,,	१२	वीस्मारण	विस्मारणे
२१	११	कुञ्च	कुम्नते
२३	७	क्रन्दते	क्रन्दते
,,	९	आप्रत्यये	अप्रत्यये
२४	१	कुञ्च	कुन्च
,,	,,	कौटिल्याल्पी भावयो:	कौटिल्याल्पीभावयो
,,	,,	कुञ्चेति	कुञ्चति
,,	६	घा घं	ढा ढं
,,	९	दुगन्धादर्त्वयो:	दुर्गन्धार्द्रत्वयोः

पृष्ठांक.	पंक्त्यंक.	अशुद्ध.	शुद्ध.
,,	१२	म:	मृ
,,	,,	मृणाति मृर्णाते	मृनाति मूर्नीते
२१	२	ना नं	धा स
,,	,	परिवेदने	परिदेवने
,,	८	ता तं क्लन्ति	न्ता न्त क्लान्ति:
,,	७	र्कीव	क्लीव
,,	१९	रच्चमृर्भावेन	रुच्चमृभीनवे
,,	,,	क्षअयाति	क्षञ्यति
२६	५	शाक्ती	शाक्ती
,,	१४	शि	शी
२७	१	माधेने	मोधने
,,	१७	जम.	जन:
२८	५	सुपर्थ धा धं	सुकथ: कथा कथं
२९	३	सम	सम
,,	१	सदूयथि	सदूयति
३०	३	दर्पान	दर्पान
,,	,,	सर्द्व	सर्व
,,	,,	सर्दवति सर्द्व	सर्वति सर्व
,,	४	सर्द्व	सर्व
,,	,,	सर्वति	सर्वति
३१	१२	सर्ज	सर्ज

पृष्ठांक.	पंक्त्यंक.	अशुद्ध.	शुद्ध.
,,	,,	गर्ज्जति	गर्जति
,,	१२	गर्ज्ज	गर्ज
,,	,,	गर्ज्जयति	गर्जयति
,,	१४	गर्द्द	गर्द
,,	,,	गर्द्दति	गर्दति
,,	१५	गर्द्दयति	गर्दयति
,,	१५	गर्द्ध	गर्द
,,	१६	गर्ध्यति	गर्धयति
,,	१७	गर्व्व	गर्ब
,,	,,	गर्व्वं	गर्बति
,,	१८	गर्व्व	गर्व
,,	,,	गर्व्वति	गर्वति
३३	१	गर्व्व	गर्व
,,	१६	शद्वे	अव्यक्तेशब्दे
३४	२	गुह्रा	गुश्रा
,,	३	गुह्यति	गृह्यति
,,	९	क्रीडे	क्रीडायां
,,	१९	गुर्द्द	गुर्द
,,	,,	गुर्द्दति	गुर्दति
३५	१	गुर्द्द	गुर्द
,,	,,	निकेतने	पूर्वनिकेतने

पृष्ठांक.	पंक्त्यंक.	अशुद्ध.	शुद्ध.
,,	,,	गुर्दयति	गुर्दयति
,,	७	गुर्द	गुर्द
,,	७	गुर्दते (व) गुर्दयति	गुर्दति (वा) गुर्दयति
,,	१९	गतिचालयोः	गतिचलनयो
३६	१	अन्वेच्छायां	अन्विच्छायां
३७	९	घग्घ	घघ
,,	,,	घग्घति	घघति
,,	११	घटयति	घाटयति
,,	१३	घट्टः	घट्ट
,,	१७	घर्ब	घर्व
,,	,,	घर्बति	घर्वति
३८	१२	शाद्ट	अविशाद्ट
,,	१८	घूर्णति क्षीवः	घूर्णने क्षीव
३९	१५	ङ्यति	ङ्ययने
,,	,,	चकायति	चकयति
४०	९	१	१०
,,	,,	चमति	चमति (वा) चाम यति
,,	११	चपति (वा) चपयति	चम्पति (वा) चम्प यति
४१	४	अर्संदे	सर्पदे

पृष्ठांक.	पंक्त्यंक.	अशुद्ध.	शुद्ध.
,,	६	चर्चेते	चर्चति
,,	,,	चर्च	चर्च
,,	,,	परिमापणतर्ज्जनयो.	परिमापणमर्त्सनयोः
,,	,,	चर्चेति	चर्चति
४१	७	चर्च	चर्च
,,	,,	चर्चयते चर्चा	चर्चयते चर्चा
,,	८	चर्व्व	चर्व
,,	,,	चर्व्वति	चर्वति
,,	९	चर्व्व	चर्व
,,	९	चर्व्वाति (वा) चर्व्वयति चर्व्वणं	चर्वति (वा) चर्वयति चर्वणं
४२	९	चययति	चययति (वा) चपयति
,,	१३	संवेदने	संचेतने
,,	१७	हावकृतौ	भावकृतौ
४३	१	आमर्पणे	आमर्षणे
,,	८	व्यसने	न्यसने
,,	११	चांटयति	चोटयति
,,	२०	हावकरणे	भावकरणे
४४	६	चुव	चुब
,,	७	चुर	चूर

पृष्ठांक.	पंक्त्यंक.	अशुद्ध.	शुद्ध.
"	११	हावकरणे	भावकरणे
४६	१	हामी	हासे
"	१०	उर्जने	उर्मने
"	१६	११	१०
४७	७	मर्घ	मर्म
"	"	परिभाषणतर्जनयोः	परिभाषणमर्मनयो
"	९	परिभाषणतर्जनयो.	परिभाषणतर्मनयो
४७	९	मर्ज	मर्म
४७	"	परिभाषणतर्जनयो	परिभाषणमर्मनयो
"	"	मर्जति	मर्मति
४८	१	मसयति	ममयति मसति वा
४९	४	परिर्मवर्णे	परिमर्वणे
"	७	मूर्ख	मूर्व
"	"	मूर्खति	मूर्वति
"	१२	न्यकारि	न्यकारि
"	१४	मोर्ण्ण	मोर्ण
"	१६	मोर्ण्ण	मोर्ण
"	१७	मरति (वा) मरयति	मरति (वा) मारयति
५१	१	परिभाषणमर्जनयो.	परिभाषणमर्मनयो
"	११	हीरयति	हीयते
"	१२	हलयति हल विलख	हलयति हल. विलख

पृष्ठांक.	पंक्त्यंक.	अशुद्ध.	शुद्ध.
१२	१९	नखति	नक्कति
१३	९	प्रव्हशद्बे	प्रव्हत्वे शद्बे च
,,	१०	णर्द्दे	णर्द्दे
,,	१०	नर्द्दः	नर्द्दे
१४	१	शुद्धौ	शुद्धौ
,,	,,	प्रणिक्ते	प्रणिक्ते
,,	९	निस्ते	निंस्ते
,,	१२		स्थौल्ये
१५	६	तगति	तङ्गति
,,	७	संकुची	संकोचने
१६	३	तपेत (वा) तापयते	तपति (वा) तापयति
,,	११	तर्ज्जयते	तर्जयते
,,	१३	तर्व्वे	तर्वे
,,	,,	तर्व्वति	तर्वति
१७	४	निघांसायां	गतौ
,,	९	निघासायां	गतौ
,,	६	स्कन्दनेच	आस्कंदने च
,,	८	क्षमाय च	क्षमायां च
,,	१६	वार्ता	वार्ता
१८	२	समाप्तौ	कर्मसमाप्तौ
,,	४	गतिवृभिवृत्तिहिंसापूर्त्तेषु	गतिवृद्धिहिंसापूर्त्तेषु

पृष्ठांक.	पंक्त्यंक.	अशुद्ध.	शुद्ध.
,,	१९	न्वृतौ	आवरणे
९९	४	तर्दने	तर्दने
,,	७	तुपति	तुम्पति
,,	११	मोमने	भोमनेन
१०	१०	चरणि	त्वरणे
,,	१०	सूर्प्यते	तूर्यते
११	१	तर्प्पति (त) तर्प्पयति	तर्पति (त) तर्पयति
,,	१०		१
,,	१०	तृहति	तृंहति
१२	१०	ग्रहनिषेधेघुतौ	ग्रहनिषेधे द्युतौ
१३	१	त्वस्यति	त्वक्षति
,,	१	गतिकम्पयोः	गतिकम्पयोः
,,	१५	दंध	दंभ
,,	,,	दम्भोनि	दम्भोति
,,	१६	दण्डनीपातने	दण्डनिपातने
१४	१२	दश	दंश
,,	११	दश	दंश
,,	१४		?
,,	१७	दंसयते गात्रं	दंसयते दंसति वा गा
१५	६	आर्जेव	आर्जेव
,,	८	वर्द्धीके	बर्द्धीकेः

पृष्ठांक.	पंक्त्यंक.	अशुद्ध.	शुद्ध.
६६	१२	मनादेशेच	मनादेशे च
६७	१२	सहज्ञाय	सपज्ञाय
,,	१	उर्पतपे	उपतापे
,,	१०	आदाने	आदरे
,,	,,	१–१	१–१०
६८	१	द्दफ	द्दंफ
,,	,,	द्दफति	द्दम्फति
६९	१	निद्रापा	निद्रायां
,,	४	द्राच	द्राव
,,	,,	द्रापते	द्रापते
,,	१२	द्राहः	द्रोहः
,,	१६	द्दृ	द्द
,,	,,	द्रायति. रात्रौ श्लोकः	द्रायति रात्रौ श्लोकः
७०	१	द्रूपति (वा) द्रूपते	द्रेपति (वा) द्रेपते
,,	६	२	३
,,	,,	श्रुद्धौ च	शुद्धौ च
७१	१	९	१
,,	९	अवारे	आवारे
७१	१२	हिसायां	हिंसायां
७२	१	कंपेन	कम्पने
,,	४	केसरपुन्पंजातं	केसरपुष्पजातं

पृष्ठांक.	पंक्तिक.	अशुद्ध.	शुद्ध.
,,	११	कुंकुमे जन	कुंकुमेन जन
७१	४	घर्षयते	धर्षयते
,,	८	कपर्द्धिनं	कपर्दिन
,,	१६	उत्क्षेमे	उत्क्षेपे
,,	१७	घ्मणति	ध्वणति
७४	४	धाद	धाड
,,	७	गतिस्थैर्य्ययो	गतिस्थैर्ययो
,,	१९	धनुर्द्धन्वी	धनुर्धन्वी
७६	३	याञ्चोपतापैश्वर्य्यामीः पु	याञ्चोपतापैश्वर्याशी पु
,,	५	याञ्चोपतापैश्वर्य्याशी पु	याञ्चोपतापैश्वर्याशी पु
,,	९	सचने	सेचन
,,	१३	न	नृ
,,	१४		नृ
,,	२०	पतं गोमगने	पतगो गगने
८०	८	माषद्यार्थे	भाषार्थे
,,	१४	ह्रौदि	ह्रेदो
८१	८	शिभुः	शिशु
८२	८	भीप्स	भीप्सा
८६	७	पूप्पयति	पुष्पयति
८७	१	फक्कति	फक्कते
८८	२	बधेन	बधते

पृष्ठांक.	पंक्त्यंक.	अशुद्ध.	शुद्ध.
,,	२०	युध्यन	युध्यंते
१०७	१	गूपपते	यूपते
१०८	९	पाशडी	पापडी
,,	१४	रामश्य	रामस्य
१०९	१२	रहयति	रंहति
,,	१६	राद्यतेयुध्वायवीर:	राघते युद्धाय वीर:
,,	१४	मंमिद्धौ	वृद्धौ
११०	९	रिक्तरोगी	रिक्त रोगी
११०	१०	कत्थनयुद्धनिन्दाहिसा-दानेपु	कत्थनयुद्धनिन्दाहिं-सादानेपु
१११	७	घूर्तौ	धूर्तौ
,,	१७	गत्तान्लस्यास्तेयम्नोटे	गत्यालस्यस्तेयोसटे
११२	३	गाप्य· (यथा)	गोप्य· (अथवा)
,,	६	रुणध्धि	रुणद्धि
,,	१२	रोहति मृनिकाया घट·	रोहति मृत्तिकाया घट:
११३	६	प्लव गता च	प्लवगती
,,	१९		गतौ
,,	२१		गतौ
,,	१८	स्वादापने	आस्वादने
११४	८	भर्त्सने	भर्मने
,,	९	भर्त्सेने	भर्मने

पृष्ठांक.	पंक्त्यक.	अशुद्ध.	शुद्ध.
११६	१	श्लेपणविलसयोः	श्लेपणविलासयोः
,,	,,	लपति	लसति
,,	८	मर्गे च	मर्गने
,,	९	मर्गे च	मर्गने
,,	९	लांजते	लाजति
,,	१६	१	१०
११७	१३	लुंट	लुट
,,	,,	लुम्यति	लुस्यति
११८	२	लुंट	लुष्ठ
,,	२	लुंटति (वा) लुंस्यति	लुष्ठति (वा) लुष्ठयति
,,	१०	लण्डयति	लुण्डयति
११९	१०	स्वलनेच	स्खलने च
,,	११	पूर्वभावे स्वने च	पूर्वभावे स्वप्ने च
१२२	८	इप्साया	ईप्सायां
१२३	२	वद्ध	वर्ध
,,	,,	पूर्तिछेदेः	पूर्तिछेदनयोः
,,	,,	वद्धयति	वर्धयति
१२४	१४	सुखाप्तिगतिसवोमु	सुखाप्तिगतिसेवासु
१२५	३	वाछति	वाञ्छति
,,	११	विछ	विच्छ
,,	११	विछति	विच्छायति

पृष्ठांक.	पंक्त्यंक.	अशुद्ध.	शुद्ध
,,	११	विछ	विच्छ
,,	१२	विछयति	विच्छायति
,,	१३	विवेकि	[illegible]
१२१	१२	विप्र	[illegible]
,,	१२	विवेप्रयाति	[illegible]
११७	७	[illegible]	[illegible]
११८	१	कुण्टते	[illegible]
१०८	८	[illegible]	[illegible]
११०	२	[illegible]	[illegible]
,,	१९	[illegible]	[illegible]
			[illegible]
		ति	[illegible]
,,	,,	[illegible]	[illegible]
१११	७	[illegible]	[illegible]
,,	१४	[illegible]	[illegible]
१११	४	[illegible]	[illegible]
१११	१	[illegible]	[illegible]
१११	१	[illegible]	[illegible]
११६	१०	[illegible]	[illegible]
११७	१	[illegible]	[illegible]
,,	१०	[illegible]	[illegible]
११८	१	[illegible]	

पृष्ठांक.	पंक्त्यंक.	अशुद्ध.	शुद्ध.
,,	१९	इमील	स्मील
,,	,,	इमीलति	स्मीलति
१४०	१०	श्रवत्यामद्यद्याज्मर्ल	शृणोति
१४२	६	प्वग	पग
,,	१०	सेचते	सचते
१४३	३	सघ्नोति	सघ्नोति
,,	८	वैक्लव्ये	अवैकल्ये
१४९	४	भैस्ययो॰	ऐश्वर्यदीप्त्योः
,,	६	प्राणि गर्भविमोचने	प्राणिगर्भविमोचने
,,	९	क्षेपे	प्रेरणे
,,	१०	क्षणने	क्षरणे
,,	१३	पूर्य (वा) नूर्य	पूर्य (वा) घूर्य
,,	१७	चालगत्यो.	चलनगत्योः
१४६	८	वैक्लव्ये	अवैकल्ये
,,	९	वैक्लव्ये	अवैकल्ये
,,	१०	प्टल	ष्टल
,,	१६	आर्द्रीमावे	आर्द्रीभावे
,,	१८	आर्द्रीमावे	आर्द्रीभावे
१४७	१	स्नौति (वा) स्नुते स्वतः	स्तौति (वा) स्तुतेवः
,,	२	प्रमदे	प्रमादे
,,	७	इव	इव

पृष्ठांक.	पंक्त्यंक.	अशुद्ध.	शुद्ध.
,,	७	हेवति	हिनति
,,	१२	स्पसति	स्पन्दति
१४८	१६	गात्रप्रक्षणे	गात्रप्रसरणे
,,	१९	धेंमण	सर्मेण
१४९	८	सठ स्पठ	सठ स्वठ
,,	९	सन्तान क्रियायां	सन्तानक्रियायां
,,	११	सउर्म	सर्म
,,	,,	अउर्जने	अर्जने
,,	,,	सउर्जति	सर्जति
,,	१७	सर्व्व	सर्व
,,	,,	सर्व्वति	सर्वति
१५१	९	ऐश्वर्य दीप्तयो	ऐश्वर्यदीप्त्योः
,,	७	सृस	सृर्म
,,	,,	सृसति	सृर्मति
,,	१०	सूत्रणे	सूत्रेण
१५२	१	आपवे उड्के	आप्रवे उड्के
,,	९	वर्णोर्उर्जन	वर्णोर्जन:
,,	११	स्फुन्दने साला दुर्गेभृ-	स्फुन्दने साला दुर्गे भृ-
		साटसान्तरं	साट् सान्तरं
,,	१२	विद्रारे	विद्रावणे
,,	११	वदव ल्पो:	?वलने

पृष्ठांक.	पंक्त्यंक.	अशुद्ध.	शुद्ध.
१९३	३	स्मृतिनेया ममा देहं	स्मृते या ममेदेहं
,,	४	आच्छदने	आच्छादने
,,	१४	मनगं—स्याने	मंगर्दे स्याने च
,,	९	स्मृगानि	स्मृगानि
१९४	१०	स्फूर्तौ	स्फूर्तौ
,,	११	स्फूर्तौ	स्फूर्तौ
१९५	२	विकशने	विकसने
,,	३	विमरणे	विकरणे
,,	४	विमरणे	विकरणे
,,	८	विकशने	विकसने
,,	१०	स्फुंटयनि	स्फुंटयति
,,	१३	स्फुर्न	स्फूर्न
१९६	६	स्नन्द	स्यन्द्
१९६	६	स्नन्दन	स्यन्दने
,,	७	१	१
,,	,,	ध्वनने	शब्दे
,,	८	स्यम	स्यम
१९७	९	स्रेकने	स्रेकने
,,	११	पयोयनि:	पयो यनिः
,,	१७	केशं कुंकुमेने नारी	केशान् कुंकुमेन नारी
१९८	१	आतंके	आतंके

पृष्ठांक.	पत्तपंक्ति.	अशुद्ध.	शुद्ध.
,,	७	त्विव्वि	त्विषि
,,	८	हट	हठ
,,	,,	हटतिराजा	हठति राजा
,,	१०		
१९९	१	चोर भयात्तर.	चोरभयात्तर
,,	९	हावकरणे	भावकरणे
,,	१०	दानादनयो	दानादानयो
,,	१२	सवप्रलयाग्निः	सर्व प्रलयाग्नि.
,,	११	वेर्णच	वरेण च
११०	१	हृश्यति	हृष्यति